हिन्दी दैनिक

आकाश ज्योति

हैदराबाद और चेन्नई से प्रकाशित

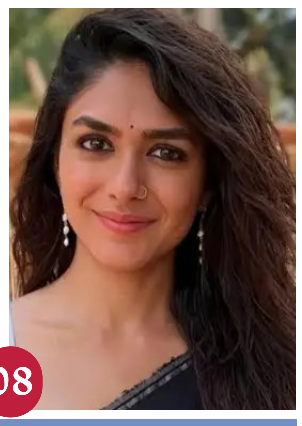

08

वर्ष-24 अंक: 50 हैदराबाद, शनिवार, 25 अप्रैल 2026, कुल मुद्रित पृष्ठ : 08, मूल्य: 5/- Circulated in Telangana State, Andhra Pradesh and Tamil Nadu

पश्चिम बंगाल में पहले चरण के मतदान ने परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है : मोदी

भाजपा की सरकार बनने के बाद हर पुरानी फाइल खुलेगी : प्रधानमंत्री

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान संपन्न होने के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को दमदम में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि पहले चरण के मतदान ने राज्य में परिवर्तन की लहर पर मुहर लगा दी है और पार्टी की जीत का शंखनाद हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लंबे समय से बंगाल में बदलाव की जो भावना दिखाई दे रही थी, पहले चरण के मतदान ने उसे स्पष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि जनता ने भाजपा के पक्ष में समर्थन देकर सत्ता परिवर्तन का संकेत दे दिया है। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस बंगाल में लोकतंत्र के मंदिर को कुचलने का प्रयास किया गया, उसी बंगाल की जनता ने मतदान के माध्यम से लोकतंत्र का पुनर्निर्माण किया है। उन्होंने मतदाताओं से अगले चरणों में और अधिक मतदान कर विजय ध्वज फहराने की अपील की। प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्यभर में एक ही आवाज सुनाई दे रही है कि बंगाल को परिवर्तन

चाहिए और भाजपा की सरकार चाहिए। उन्होंने नेताजी सुभाषचंद्र बोस की धरती का उल्लेख करते हुए चुनाव को नई क्रांति का समय बताया। पीएम मोदी ने कहा की याद रखिएगा बंगाल की धरती वीरों की धरती है। पहले चरण के मतदान में तृणमूल के दीपक को बुझा दिया है। बुझने से पहले जैसे दीपक फड़फड़ाता है वैसे ही टीएमसी फड़फड़ा रही है लेकिन दूसरे चरण में विजय ध्वज लहराना है। सभा में महिलाओं का मुद्दा प्रमुखता से उठाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस महिला विरोधी दल है, जबकि भाजपा महिला नेतृत्व आधारित विकास मॉडल पर काम करती है। उन्होंने कहा कि बंगाल की बेटियों के सपनों को कुचला नहीं जाने दिया जाएगा और सत्ता में आने के बाद महिलाओं पर हुए अन्याय के हर मामले की फाइल खोली जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनने पर महिलाओं को सुरक्षा, सम्मान, आर्थिक सशक्तिकरण, आवास और स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि बंगाल में आयुष्मान योजना लागू नहीं है, लेकिन सरकार बनने पर लोगों को 5 लाख तक का निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। मध्यम वर्ग का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर मध्यम वर्ग के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

बंगाल में चुनावी माहौल के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा में की बोट की सवारी, कोलकाता घाट पर शख्स को लगाया गले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के चुनावी रण के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। झारग्राम में झालमुरी खाने के बाद शुक्रवार सुबह प्रधानमंत्री मोदी का एक अलग अंदाज देखने को मिला। कोलकाता के गंगा घाट पर उन्होंने बोट की सवारी की और वहां मौजूद लोगों से मुलाकात की। गंगा घाट पर अचानक पहुंचे प्रधानमंत्री को देखने के लिए लोगों की भीड़ उमड़ गई थी। प्रोटोकॉल तोड़ते हुए उन्होंने लोगों से मुलाकात की, बातचीत की और एक व्यक्ति को गले से लगाया। प्रधानमंत्री से मिलकर वो शख्स अपनी जिंदगी की परेशानियों को बताते हुए भावुक हो गया। उनकी तस्वीर वायरल हो

गई। नदिया और दक्षिण 24 परगना में गुरुवार को जनसभाओं को संबोधित करने, बेलूर मठ में दर्शन करने तथा हावड़ा में भव्य रोड शो के बाद प्रधानमंत्री ने रात्रि विश्राम राजभवन (लोकभवन) में किया। सवेरा होने से कुछ पहले गंगा नदी के किनारे पहुंचे। उन्होंने मां गंगा के प्रति श्रद्धा व्यक्त की। नौका विहार भी किया और हाथ में कैमरा लेकर नदी तट, हावड़ा पुल तथा आसपास के मनोहारी दृश्यों को कैद किया। उनकी यह तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से चर्चा का विषय बन गईं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर तस्वीरें साझा करते हुए लिखा कि हर बंगाली के मन में गंगा का विशेष स्थान है। उन्होंने कहा कि गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि बंगाल की आत्मा में बहने वाली सांस्कृतिक धारा है।

आम आदमी पार्टी में बड़ी टूट: राघव चड्ढा समेत कई सांसद बीजेपी में शामिल

- आप में बड़ा सियासी भूचाल: राघव चड्ढा समेत 7 राज्यसभा सांसद भाजपा में शामिल
- 22 दिन में आप में टूट, दो-तिहाई सांसदों ने किया बीजेपी में विलय का ऐलान, आप को झटका

- घायल हूं, इसलिए घातक हूं" : राघव चड्ढा
- ईडी कार्रवाई के बीच अशोक मित्तल का इस्तीफा,
- राज्यसभा में आप कमजोर, BJP की ताकत बढ़ी
- आप में अंदरूनी कलह आई सामने

एजेंसी। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के भीतर चल रहा सियासी संकट अब बड़े राजनीतिक भूचाल में बदल गया है। पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने शुक्रवार को इस्तीफा देते हुए भाजपा में शामिल होने का ऐलान कर दिया। उनके साथ संदीप पाठक, अशोक मित्तल समेत कुल सात राज्यसभा सांसदों ने पार्टी छोड़ने का निर्णय लिया है। राघव चड्ढा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से दो-तिहाई यानी सात सांसदों ने संविधान के प्रावधानों के तहत भाजपा में विलय का फैसला किया है। उनके साथ हरभजन सिंह, स्वाति मालीवाल, राजेंद्र गुप्ता और विक्रमजीत साहनी भी भाजपा में शामिल होंगे। इस घटनाक्रम की शुरुआत 2 अप्रैल 2026 को हुई थी, जब पार्टी ने राघव चड्ढा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें राज्यसभा में डिप्टी लीडर पद से हटा दिया था। इसके बाद से ही पार्टी के भीतर असंतोष की खबरें सामने आने लगी थीं। राघव ने उस समय बयान दिया था कि "मैं घायल हूं, इसलिए घातक हूं" और "मेरी खामोशी को मेरी हार मत समझना", जिसने इस पूरे घटनाक्रम को और अधिक रहस्यमय बना दिया था। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी नेतृत्व को राघव चड्ढा की सक्रियता में कमी और कुछ मुद्दों पर उनकी चुप्पी को लेकर आपत्ति थी। वहीं, चड्ढा समर्थक इसे अंदरूनी खींचतान और नेतृत्व संकट का परिणाम बता रहे हैं। अशोक मित्तल का पार्टी छोड़ना भी चर्चा में है, क्योंकि उनके यहां हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई हुई थी। इसके बाद उनका इस्तीफा राजनीतिक हलकों में कई सवाल खड़े कर रहा है। आप के लिए यह घटनाक्रम खासतौर पर पंजाब में बड़ा झटका माना जा रहा है, जहां पार्टी की मजबूत स्थिति रही है। अब सबकी नजर इस बात पर है कि 2027 के विधानसभा चुनावों में इस राजनीतिक बदलाव का क्या असर पड़ेगा। भाजपा के लिए यह घटनाक्रम राज्यसभा में मजबूती बढ़ाने के रूप में देखा जा रहा है, जबकि AAP को अपने संगठन और नेतृत्व को लेकर गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

संक्षिप्त समाचार

पचपद्रा रिफाइनरी सहित दुनिया की कई रिफाइनरियों में आग, संयोग या फिर कोई बड़ा पैटर्न

नई दिल्ली। राजस्थान के बाड़मेर जिले के पचपद्रा रिफाइनरी को लेकर बड़ा विवाद और चर्चा का माहौल बन गया है। यह वहीं परियोजना है जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करने वाले थे। लेकिन उससे करीब 20 घंटे पहले यहां अचानक रिफाइनरी में भीषण आग लग गई। इस घटना ने ना सिर्फ प्रशासन को सतर्क किया, बल्कि पूरे प्रोजेक्ट की सुरक्षा और समय पर संचालन को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े किए हैं। करीब 13 वर्षों से चल रही यह परियोजना करीब 3 करोड़ की लागत से तैयार की गई थी और इस क्षेत्र के बड़े तकनीकी विकास के रूप में देखा जा रहा था। आग लगने की घटना के बाद से ही सोशल मीडिया पर कई तरह की चर्चाएं और दावे सामने आ रहे हैं। कुछ लोग सामान्य तकनीकी दुर्घटना बता रहे हैं। जबकि कुछ इस आग को बड़े पैटर्न से जोड़कर देख रहे हैं। खास बात यह है कि हाल के महीनों में दुनिया के अलग-अलग देशों में रिफाइनरियों में आग, विस्फोट और तकनीकी खराबी की घटनाएं लगातार सामने आई हैं। रिपोर्ट के अनुसार बीते कुछ महीनों से भारत, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, रूस, पाकिस्तान और इक्वेटर जैसी जगहों पर रिफाइनरी से जुड़ी घटनाएं सामने आई हैं।

महाराष्ट्र : गहरे गड्ढे में डूबने से 4 बच्चों की मौत मामले में एनएचआरसी का डीएम-एसपी को नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के इस्लंपुरा इलाके में एक नाले के निर्माण स्थल के पास गहरे गड्ढे में डूबने से चार बच्चों की मौत के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। आयोग ने इस घटना को गंभीर मानते हुए स्थानीय प्रशासन से विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। एनएचआरसी ने नांदेड़ वाघाला नगर आयुक्त, जिला मजिस्ट्रेट (डीएम) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर इस मामले पर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। आयोग ने कहा है कि यदि मीडिया रिपोर्ट सही पाई जाती है, तो यह प्रशासनिक लापरवाही और मानवाधिकारों के गंभीर उल्लंघन का मामला बनता है। दरअसल, चार बच्चे लगभग 15 फीट गहरे गड्ढे के पास खेल रहे थे। गड्ढे में पानी भरा हुआ था और बच्चों ने उसकी गहराई का सही अंदाजा लगाए बिना उसमें उतरने की कोशिश की। इसी दौरान वे डूब गए। बच्चों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय निवासी और पुलिस मौके पर पहुंचे तथा उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। काफी प्रयासों के बावजूद चारों बच्चों को बचाया नहीं जा सका। उल्लेखनीय है कि यह नाला स्थानीय नगर निगम द्वारा बनाया जा रहा था और निर्माण स्थल के पास बने गहरे गड्ढे में गंदा पानी जमा हो गया था।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन ने पीएम मोदी को लिखा पत्र कहा- आर्थिक चुनौतियों का समाधान हो

एजेंसी। नई दिल्ली

वैश्विक ब्रोकरेज कंपनी बर्नस्टीन ने भारत की आर्थिक विकास दर को लेकर अपनी ताजा रणनीतिक टिप्पणी में कुछ महत्वपूर्ण जोखिमों की ओर इशारा किया है। 'प्रधानमंत्री को खुला पत्र' शीर्षक वाले इस नोट में आगाह किया गया है कि यदि प्रमुख नीतिगत बाधाओं को समय रहते दूर नहीं किया गया, तो भारत अपनी वास्तविक क्षमता से कमतर प्रदर्शन कर सकता है। जानकारों का मानना है कि इस तरह की टिप्पणियां वैश्विक निवेशकों के लिए दीर्घकालिक जोखिमों और अवसरों को समझने का एक माध्यम होती हैं। बर्नस्टीन के अनुसार, भारत ने पूंजीगत व्यय पर ध्यान केंद्रित कर स्थिरता और आय वृद्धि को समर्थन देने का सही निर्णय लिया है, लेकिन वर्तमान सफलताओं के आधार पर भविष्य के प्रति अत्यधिक निश्चिंत होना जोखिम भरा हो सकता है। रिपोर्ट में विशेष रूप से बुनियादी ढांचे की कमी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के लिए भारत की तैयारी पर सवाल उठाए गए हैं। एआई के बढ़ते प्रभाव से रोजगार के उन अवसरों पर संकट मंडरा रहा है, जो सीधे स्वचालन से प्रभावित हो सकते हैं। चेतावनी दी गई है कि भारत इन तकनीकों का केवल उपभोक्ता बनकर रह सकता है, जबकि इनके आर्थिक लाभ का बड़ा हिस्सा उसके हाथ से निकल सकता है। विनिर्माण क्षेत्र के संदर्भ में रिपोर्ट कहती है कि 'चीन+1' रणनीति का भारत को अब तक सीमित लाभ ही मिला है। आपूर्ति श्रृंखलाओं की कमजोरी, उन्नत विनिर्माण में कुशल प्रतिभा की कमी और धीमी क्रियान्वयन प्रक्रिया प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में भारत की रफ्तार को बाधित कर रही है।

अगले महीने अंग, बंग और कलिंग में होंगी भाजपा की सरकारें : अमित शाह

एजेंसी। कोलकाता

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कोलकाता में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में बड़ा राजनीतिक दावा करते हुए कहा कि अगले महीने अंग (बिहार), बंग (बंगाल) और कलिंग (ओडिशा) तीनों क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकारें होंगी। उन्होंने कहा कि पूर्वी भारत में भाजपा का विस्तार तेजी से हो रहा है और पश्चिम बंगाल में जनता इस बार परिवर्तन का मन बना चुकी है। अमित शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले चरण में जनता ने भारी उत्साह के साथ मतदान किया है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान हुआ और भाजपा इनमें से 110 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगी। शाह ने कहा कि मतदान प्रतिशत ने सभी पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं और यह साफ संकेत है कि राज्य की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि पहले चरण में 92 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो इस बात का प्रमाण है कि लोग लोकतांत्रिक तरीके से परिवर्तन लाना चाहते हैं। शाह ने कहा कि जनता ने भय और हिंसा की राजनीति को नकारते हुए बड़ी संख्या में मतदान केंद्रों तक पहुंचकर अपना मताधिकार प्रयोग किया। तृणमूल कांग्रेस सरकार पर सीधा हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार की विदाई तय है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया गया है और पिछले कई वर्षों में हजारों करोड़ के घोटाले हुए हैं। उन्होंने कहा कि भर्ती घोटाला, शिक्षक नियुक्ति प्रकरण, नगर निकाय अनियमितताएं और विभिन्न योजनाओं में भ्रष्टाचार से जनता त्रस्त है। शाह ने कहा कि भाजपा सरकार बनने पर तृणमूल शासनकाल के भ्रष्टाचार पर श्वेत पत्र जारी किया जाएगा। साथ ही सेवानिवृत्त उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में सभी मामलों की जांच कराई जाएगी, ताकि दोषियों को कानून के अनुसार सजा मिल सके। महिला सुरक्षा को सबसे बड़ी प्राथमिकता बताते हुए शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की महिलाओं में आक्रोश है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़े हैं और सरकार संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करने में विफल रही है।

तमिलनाडु के विरुधुनगर विस्फोट मामले में मुख्य सचिव, पुलिस अधीक्षक को मानवाधिकार आयोग का नोटिस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले में एक निजी पटाखा फैक्टरी में हुए विस्फोट का स्वतः संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और जिले के पुलिस अधीक्षक को नोटिस जारी कर दो सप्ताह के भीतर विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। आयोग ने शुक्रवार को बताया कि विगत 20 अप्रैल को प्रकाशित मीडिया रिपोर्ट के अनुसार 19 अप्रैल को फैक्टरी में रासायनिक मिश्रण और निर्माण प्रक्रिया के दौरान घर्षण के कारण विस्फोट हुआ। घटना के दौरान तब कारखाने में महिलाओं सहित 100 से अधिक श्रमिक मौजूद थे। घायल श्रमिकों को विरुधुनगर सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था। जिले में हाल ही में हुई इसी तरह की एक अन्य घटना में चार लोगों की मौत हो गई थी। आयोग ने रिपोर्ट में घायल व्यक्तियों के स्वास्थ्य की स्थिति, मामले की जांच और मृतक एवं घायल व्यक्तियों के परिजनों को दिए गए मुआवजे का विवरण भी शामिल करने के लिए कहा है।

ममता की हुंकार : बंगाल के बाद अब दिल्ली भी जीत लूंगी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर तीखा हमला कर दावा किया है कि राज्य विधानसभा चुनावों में जीतने के बाद दिल्ली को भी जीत लेंगी। एक रैली को संबोधित कर ममता ने कहा कि वह सभी विपक्षी दलों को एकजुट करके केंद्र में बीजेपी को खत्म कर देने वाले है। उन्होंने कहा कि मैंने उन सभी लोगों के नाम लिख लिए हैं जो बीजेपी के लिए दलाल का काम कर रहे हैं—ए से लेकर जेड तक, और उनके घरों की जगह भी देख ली है। आपको लगता है कि आप हम पर नज़र रख सकते हैं? आपने जिस भी व्यक्ति को पार्टी में शामिल किया है, उस बीजेपी में लाने से पहले उसके पारिवारिक पृष्ठभूमि की पूरी जाँच-पड़ताल की है, और अधिकारियों की नियुक्ति भी आपने उसी आधार पर की है। ममता ने कहा कि यह याद रखना, तुममें हमें हराने की काबिलियत नहीं है। हम अन्याय के खिलाफ लड़ते हैं, हम अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। मेरा जन्म बंगाल में हुआ था, और मैं अपनी आखिरी सांस इसी बंगाल में लूंगी। मैं दिल्ली को जीतूंगी, इस बात का पूरा भरोसा रखना; एक बार जब मैं बंगाल में जीत हासिल कर लूंगी, तब मैं सभी राजनीतिक पार्टियों को एक साथ लाकर ऐसा करूंगी।

हमें मोदी पर गर्व है, वे भी संघ से जुड़े होने का गर्व महसूस करते हैं : होसबाले

एजेंसी। वाशिंग्टन/नई दिल्ली

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबाले का कहना है कि पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बारे में हम भारत सरकार की नीति, प्रतिक्रिया और सोच के साथ पूरी तरह खड़े हैं। हमारी अपनी अलग से कोई राय नहीं है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में कहा कि हमें उन पर गर्व है और वे भी हमारे संगठने से जुड़े होने पर गर्व करते हैं। वाशिंग्टन (डी.सी.) के सुप्रसिद्ध हड्सन इंस्टीट्यूट के तत्वावधान में आयोजित एक चर्चा-वार्ता में वरिष्ठ पत्रकार और 'द वॉल स्ट्रीट जरनल' के स्तंभकार वॉल्टर रसेल मीड से बातचीत में भारतीय जनता पार्टी, सरकार और संघ से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने यह बात कही। रा.स्व.संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने साफ कहा कि 1980 में भारतीय जनता पार्टी की स्थापना के काल से उसके नेता व संगठनकर्ता हमसे जुड़े रहे हैं। संघ विचार से प्रेरित आज 40 से अधिक संगठनों का राष्ट्रव्यापी तंत्र है। उन्होंने अमेरिकी डायसपोरा के कुछ लोगों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि यह अमेरिका के नागरिक भारतवंशियों की जिम्मेदारी है कि वे अपने देश (अमेरिका) के नागरिक कर्तव्यों का पालन करते हुए अपने सांस्कृतिक देश की पहचान को सम्मान दिलाने वाले कार्य करें। एक सवाल के उत्तर में उन्होंने स्वीकार किया कि केवल अमेरिकियों में ही नहीं बल्कि भारत में भी हमारे संगठन को लेकर बहुत सारी भ्रांतियां हैं। हम अपने इस शताब्दी वर्ष में जन-जन के बीच पंच परिवर्तन के कार्यक्रमों को लेकर जा रहे हैं। यह केवल भारत या भारतीयों के लिए नहीं बल्कि सम्पूर्ण विश्व में में स्वीकार किए जाने वाला विचार है।

भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर भी सहमत

एजेंसी। लंदन

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने गुरुवार को ब्रिटेन के अपने समकक्ष जोनाथन पॉवेल के साथ बातचीत की, जिसमें आतंकवाद, चरमपंथ और खालिस्तान समर्थक तत्वों से संबंधित नई दिल्ली की चिंताओं को दूर करने पर ध्यान केंद्रित किया। अधिकारियों ने बताया कि दोनों पक्ष ''अस्थिर भू-राजनीतिक वातावरण'' की पृष्ठभूमि में भारत-ब्रिटेन व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर भी सहमत हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक डोभाल और पॉवेल ने पश्चिम एशिया की अस्थिर स्थिति और समुद्री सुरक्षा और व्यापार पर इसके प्रभाव पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। अधिकारियों ने बताया कि डोभाल ने इस बात पर जोर दिया कि संघर्ष को सुलझाने का एकमात्र रास्ता संवाद और कूटनीति ही है। ये

डोभाल ने ब्रिटेन के एनएसए से की बात, दिल्ली की चिंताओं को दूर करने पर जोर

वार्ताएं वार्षिक भारत-ब्रिटेन रणनीतिक संवाद के ढांचे के तहत आयोजित की गईं। ये बातचीत सालाना भारत-युके रणनीतिक बातचीत के दायरे में हुई। अधिकारियों के मुताबिक दोनों एनएसए ने भारत-ब्रिटेन विज़न 2035 दस्तावेज में तय किए गए लक्ष्यों पर आगे बढ़ने की अहमियत को दोहराया। इन लक्ष्यों में लंबे समय के लिए आपसी रणनीतिक सहयोग को बढ़ाने के लिए टेक्नोलॉजी, रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों ने आतंकवाद, उग्रवाद और खालिस्तान समर्थक तत्वों से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं से निपटने के लिए सहयोग को और गहरा करने की ज़रूरत पर जोर दिया। एनएसए डोभाल ने इन मामलों पर लगातार समर्थन के लिए यूके सरकार का शुक्रिया अदा किया और कहा कि दोनों पक्षों की कानून लागू करने वाली एजेंसियों के बीच सहयोग को और बढ़ाकर इस गति को बनाए रखना ज़रूरी है। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सेमीकंडक्टर, क्वांटम कंप्यूटिंग, बायोटेक्नोलॉजी और आधुनिक सामग्री के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। उन्होंने आगे कहा कि दोनों पक्षों ने इस बात पर गौर किया कि आपसी रक्षा सहयोग ने अच्छी गति पकड़ी है, और भारत-यूके रक्षा औद्योगिक रोडमैप के व्यापक दायरे में रक्षा औद्योगिक सहयोग को और गहरा करना अहम है।

27 को भारत-न्यूजीलैंड एफटीए पर करेंगे हस्ताक्षर, पीएम लक्सन ने दी जानकारी

नई दिल्ली। भारत और न्यूजीलैंड 27 अप्रैल को फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) पर हस्ताक्षर करेंगे। यह जानकारी न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन ने शुक्रवार को दी। लक्सन ने एक्स पर कहा कि हम सोमवार को भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके साथ ही लक्सन ने एक वीडियो भी पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने बताया कि कैसे यह एफटीए न्यूजीलैंड के लिए फायदेमंद होगा। इस दौरान उन्होंने एक फैक्ट्री का भी दौरा किया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीडियो में लक्सन ने कहा कि मैं क्राइस्टचर्च में मौजूद हैमिल्टन जेट के प्लांट में हूं। यह कंपनी 70 से ज्यादा देशों में बोट में इस्तेमाल होने वाले जेट इंजन का निर्यात करती है। फिलहाल इस कंपनी को टैरिफ का सामना करना पड़ रहा है। इस डील से अब वाटर जेट पर 8.25 फीसदी का टैरिफ भारत को होने वाले निर्यात पर लगेगा। इससे कई हाई-स्किल रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस हफ्ते की शुरुआत में न्यूजीलैंड के ट्रेड एंड इन्वेस्टमेंट मंत्री टोड मैक्ले ने कहा था कि भारत-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट एफटीए में लीगल वेरिफिकेशन का काम पूरा हो चुका है और दोनों देश 27 अप्रैल को समझौते पर हस्ताक्षर करेंगे।

1984 सिख दंगों के दोषी सज्जन को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

नई दिल्ली। 1984 दिल्ली सिख दंगों के दोषी कांग्रेस नेता सज्जन कुमार को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया है। सज्जन की ओर से कोर्ट में दलील दी गई थी कि वह पिछले 7 साल 4 महीने से जेल में है। उनकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार हैं और चल-फिर नहीं सकती हैं, वह अपनी पत्नी से एक बार भी नहीं मिल पाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल जमानत देने से इनकार करते हुए कहा कि अगली सुनवाई जुलाई में होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली हाईकोर्ट ने 2013 में सज्जन कुमार को निचली अदालत द्वारा बरी किए जाने के फैसले को पलट दिया था। इससे पहले 1984 के सिख विरोधी दंगों से जुड़े जनकपुरी, विकासपुरी हिंसा मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सज्जन कुमार को बरी कर दिया था। इस हिंसा में दो लोगों की मौत हो गई थी। इस मामले के फिर से उजागर होने के बाद एसआईटी ने फरवरी 2015 में सज्जन कुमार और अन्य आरोपियों के खिलाफ दो एफआईआर दर्ज की थी। इन मामलों में 7 जुलाई 2025 को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार ने अपना बयान दर्ज कराया था।

हिन्दी दैनिक
आकाश ज्योति

एसपी ने ट्रैफिक थाना प्रभारी को किया निलंबित

एजेंसी

हांसी। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार ने ट्रैफिक थाना प्रभारी सब-इंस्पेक्टर प्रेम कुमार को सस्पेंड कर दिया है। इससे पहले दोपहर को सीआईए व अन्य पुलिसकर्मी प्रेम कुमार को हांसी के सामान्य अस्पताल ले गए, जहां उनका मेडिकल कराया गया। इसके बाद एसपी ने सस्पेंड की कार्रवाई की। चर्चा है कि प्रेम कुमार नशे की हालत में थे। हालांकि प्रेम कुमार ने अपने उपर लगे आरोपों को गलत बताया है। पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के अनुसार उन्हें प्रेम कुमार के शराब पीने की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर मेडिकल करवाकर विभागीय नियमों के तहत यह कार्रवाई की गई। चर्चा है कि पुलिस अधीक्षक ने प्रेम कुमार को अपने कार्यालय बुलाया था, लेकिन वह बार-बार कोई बहाना बनाकर आने से मना करते रहे। उधर, सब इंस्पेक्टर प्रेम कुमार ने इन आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिसकर्मियों और अधिकारियों ने उनके साथ मारपीट की और उन्हें इस तरह अस्पताल ले जाया गया, जैसे वह कोई अपराधी हों। प्रेम कुमार ने यह भी दावा किया कि सिविल अस्पताल में उनका मेडिकल ठीक तरीके से नहीं होने दिया गया। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले की शिकायत लेकर चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री से मिलेंगे। करीब 37 वर्षों की सेवा का हवाला देते हुए प्रेम कुमार ने बताया कि उनके करियर पर आज तक कोई दाग नहीं लगा है।

हरियाणा के पूर्व डिप्टी सीएम ने हिसार पुलिस के विरूद्ध हाईकोर्ट में दायर की याचिका

चंडीगढ़। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला हिसार पुलिस के विरूद्ध हाईकोर्ट पहुंच गए हैं। हिसार में सीआईए द्वारा अपने काफिले को रोककर हथियार दिखाने और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों के बाद स्वतंत्र जांच की मांग करते हुए उन्होंने याचिका दायर की है। याचिका में दुष्यंत ने इस पूरे मामले में आरोपितों के विरुद्ध न केवल एफआईआर दर्ज कराने की मांग की है, बल्कि जांच को हरियाणा पुलिस से हटाकर किसी स्वतंत्र एजेंसी जैसे सीबीआई या चंडीगढ़ अथवा पंजाब पुलिस को सौंपने का भी अनुरोध किया है। हिसार के पुलिस अधीक्षक द्वारा इस मामले में कार्रवाई नहीं किए जाने के बाद दुष्यंत चौटाला हाई कोर्ट पहुंचे हैं। उनका आरोप है कि सीआईए पुलिस हिसार की इस कारगुजारी की शिकायत करने के लिए जब उन्होंने पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल को फोन किए तो उन्होंने कई बार घंटी जाने के बाद उनके फोन को ब्लाक कर दिया। दुष्यंत चौटाला की ओर से हाई कोर्ट में दायिर याचिका में कहा गया है कि 17 अप्रैल को हिसार में उनके काफिले को एक सफेद बोलेरो वाहन ने रोक लिया। सिविल ड्रेस में मौजूद पुलिस अधिकारी, जिनमें इंस्पेक्टर पवन कुमार का नाम प्रमुख रूप से शामिल है, उसने हथियार लहराते हुए उन्हें और उनके सुरक्षाकर्मियों को धमकाया।

हरियाणा में भर्ती होंगे 69 फिजियोथेरेपिस्ट : आरती सिंह राव

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि राज्य के स्वास्थ्य विभाग में जल्द ही फिजियोथेरेपिस्ट के 69 रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए हरियाणा लोक सेवा आयोग में मांग पत्र भेजा गया है। पहले विभाग द्वारा 54 रिक्त पदों पर भर्ती किए जाने के बारे में लोक सेवा आयोग को मांग पत्र भेजा गया था। अब संशोधित करके फिजियोथेरेपिस्ट के 69 रिक्त पदों पर भर्ती करने के लिए भेजा गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने जींद जिला के गांव उझाना तथा करनाल जिला के गांव संभली में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने की भी हरियाणा सरकार द्वारा स्वीकृति दे दी गई है , इनमें उझाना सीएचसी निर्माण के लिए 2195.46 लाख रुपए की तथा संभली सीएचसी के लिए मुख्यमंत्री ने 2322.37 लाख रुपए की मंजूरी दी गई है। आरती सिंह राव ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जिस भी ग्रामीण क्षेत्र में उपस्वास्थ्य केंद्र,पीएचसी, सीएचसी या अन्य स्वास्थ्य संस्थान खोलने की आवश्यकता हो, उस गांव में जल्द से जल्द नियमानुसार शुरू किया जाए ताकि ग्रामीणों को गुणवत्तापूर्वक सस्ती स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हों।

महिला आरक्षण के विरोध में वोट कर ने अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर कर दी : डा. अर्चना गुप्ता

चंडीगढ़। हरियाणा भाजपा की प्रदेश महामंत्री डॉ. अर्चना गुप्ता ने सोनीपत में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस व उसकी सहयोगी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम को लेकर कांग्रेस, सपा और डीएमके के सांसदों के रवैये की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि इन दलों ने संसद में देश की आधी आबादी का अपमान किया है। इस अवसर पर महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष मोनिका दहिया, विधायक कृष्णा गहलावत, जिला मीडिया प्रभारी दिनेश अत्री, महिला मोर्चा की जिला महामंत्री स्वातिक आर्य, भारत मल्होत्रा और हरदीप सिंह आदि मौजूद रहे। डा. अर्चना गुप्ता ने कहा कि नारी शक्ति वंदन संशोधन अधिनियम महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है, लेकिन विपक्षी दलों ने इसका विरोध करके अपनी महिला विरोधी मानसिकता उजागर कर दी। उन्होंने कहा कि संसद में विपक्षी दलों के सांसदों ने न केवल इस विधेयक का विरोध किया, बल्कि महिला शक्ति का उपहास भी उड़ाया।

औद्योगिक नीति-2026: एवीजीसी-एक्सआर के लिए बनेगी सेक्टर पॉलिसी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार राज्य को इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिज़ाइन एंड मैन्युफैक्चरिंग (ईएसडीएम), आईटी, एनिमेशन, विजुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग सेक्टर का ग्लोबल हब बनाने की तैयारी में है। सरकार ऐसी इंडस्ट्रियल पॉलिसी तैयार कर रही है, जो इन उभरते क्षेत्रों में निवेशकों के लिए अत्यंत आकर्षक होने के साथ-साथ बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन, इनोवेशन और अत्याधुनिक तकनीकी विकास को भी गति देगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने नई दिल्ली में नई इंडस्ट्रीयल पॉलिसी के संबंध में उद्योगपतियों के साथ संवाद करते हुए कहा कि आईटी, एनिमेशन, विजुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स और ईएसडीएम सेक्टर देश की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है। नई इंडस्ट्रियल पॉलिसी में ईएसडीएम कंपनियों को विशेष प्रोत्साहन दिए जाएंगे। इसमें कैपिटल सब्सिडी, टैक्स बेनिफिट्स, स्किल डेवलपमेंट सपोर्ट, और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे प्रावधान शामिल किए जाएंगे, ताकि उद्योगों को स्थापित करने और विस्तार करने में किसी प्रकार की बाधा न आए। प्रतिनिधियों ने सुझाव देते हुए कहा कि फ्यूचरिस्टिक प्रोडक्ट और कुछ कंपनियों का चयन करके उन्हें ग्लोबल कंपनी बनाने में मदद की जाए। एक्सपोर्ट इंडस्ट्री के लिए विदेशों में प्रोडक्ट स्टोरेज की दिक्कतों के समाधान के लिए ग्लोबल वेयरहाउस स्थापित किए जाएं ताकि विभिन्न कंपनियां इन ग्लोबल वेयरहाउस में अपने प्रोडक्ट्स स्टोर कर सकें। माइक्रोसॉफ्ट से संदीप अरोड़ा ने युवाओं को भविष्य की उभरती तकनीकों के अनुरूप सक्षम बनाने के उद्देश्य से माइक्रोसॉफ्ट के साथ स्कूलों, आईटीआई और अन्य शिक्षण संस्थानों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित स्टडी को बढ़ावा देने पर चर्चा की। एनिमेशन, विजुअल इफ़ेक्ट, गेमिंग, कॉमिक्स (एवीजीसी-एक्सआर) सेक्टर को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार अलग से एक समर्पित सेक्टर पॉलिसी लाने की दिशा में काम कर रही है, जिससे इस उभरते हुए क्रिएटिव और टेक्नोलॉजी आधारित उद्योग को संरचित विकास का प्लेटफॉर्म मिल सके। इस दौरान चेयरमैन, फिक्की एवीजीसी-एक्सआर फोरम आशीष कुलकर्णी, डायरेक्टर, पब्लिक पॉलिसी, ई गेमिंग फेडरेशन देवभूति बख्शी, सीईओ मीडिया एंड स्किल एंटरटेनमेंट काउंसिल मोहित सोनी ने सुझाव दिया कि ई-स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को सशक्त बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाए।

निरोगी हरियाणा’ से 1 करोड़ से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई मजबूती : डॉ. सुमिता मिश्रा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार के प्रमुख निवारक स्वास्थ्य कार्यक्रम ‘निरोगी हरियाणा’ ने एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस योजना के तहत अब तक एक करोड़ से अधिक लोगों की स्वास्थ्य जांच (स्क्रीनिंग) की जा चुकी है, जबकि 5.86 करोड़ से अधिक लैब टेस्ट निःशुल्क किए गए हैं। इससे राज्य में बीमारियों की समय पर पहचान और स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को व्यापक मजबूती मिली है। हरियाणा के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने यह बात उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान कही। उन्होंने बताया कि 21 अप्रैल, 2026 तक इस योजना के अंतर्गत अंत्योदय परिवारों के 1,00,07,430 लाभार्थियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए शुरू की गई इस पहल के तहत 5,86,60,875 मुफ्त लैब टेस्ट किए गए हैं, जिससे हजारों परिवारों का होने वाला खर्च कम हुआ है।

उन्होंने बताया कि प्रारंभ में यह योजना उन परिवारों के लिए लागू की गई थी, जिनकी वार्षिक आय 1.8 लाख रुपये तक थी। अब इसका विस्तार कर 3 लाख रुपये तक आय वाले परिवारों को भी शामिल किया गया है। इस बदलाव से लाभार्थियों की संख्या 1.59 करोड़ से बढ़कर लगभग 2.30 करोड़ हो गई है। तीसरे चरण में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को, उनकी आय चाहे कितनी भी हो, इस योजना में शामिल किया जा रहा है। यह कदम बुजुर्गों के स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल माना जा रहा है।

महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी रोकने की साजिश में कांग्रेस सहित विपक्षी दल शामिल : डॉ. दिव्या सेठी

एजेंसी

हांसी। हरियाणा भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश सचिव एवं हांसी महिला मोर्चा की जिला प्रभारी डॉ. दिव्या सेठी ने लोकसभा में नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित न होने पर कांग्रेस सहित विपक्षी दलों पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने इसे महिलाओं के अधिकारों के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि यह देश की आधी आबादी के सपनों को ठेस पहुंचाने वाला कदम है। डॉ. दिव्या सेठी ने पार्टी के जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि 17 अप्रैल का दिन देश के इतिहास में एक स्वर्णिम अवसर के रूप में दर्ज हो सकता था। यदि यह अधिनियम पारित हो जाता तो महिलाओं को राजनीति में अधिक प्रतिनिधित्व मिलता और उनके सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया जाता। किंतु विपक्षी दलों की संकीर्ण मानसिकता, राजनीतिक स्वार्थ और नकारात्मक सोच के कारण यह महत्वपूर्ण अवसर व्यर्थ चला गया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने अपने लंबे शासनकाल के दौरान भी आम परिवारों से आने वाली महिलाओं, विशेषकर ग्रामीण एवं मध्यम वर्ग की महिलाओं को राजनीति में आगे आने के पर्याप्त अवसर नहीं दिए। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की कार्यप्रणाली हमेशा सीमित दायरे में रही है, जिसमें कुछ चुनिंदा परिवारों को ही प्राथमिकता दी गई, जबकि सामान्य वर्ग की प्रतिभाशाली महिलाओं को पीछे रखा गया।

सरकारी स्कूल के शिक्षकों ने बनाई मैथ पजल बुकलेट व ओलंपियाड पुस्तक, 21 शिक्षक सम्मानित

एजेंसी

कैथल। विद्यार्थियों के लिए कठिन माने जाने वाले गणित विषय को सरल और रोचक बनाने की दिशा में कैथल के शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन ने सराहनीय पहल की है। राजकीय विद्यालयों के शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से मैथ पजल बुकलेट तैयार की गई है, जबकि इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड की पुस्तक भी तैयार की जा रही है।

शिक्षा विभाग के अधिकारियों ने यह पुस्तकें डीसी अपराजिता को भेंट कीं। इस दौरान दोनों किताबों के निर्माण में योगदान देने वाले 21 शिक्षकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। डीसी अपराजिता ने शिक्षकों के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि यह पहल विद्यार्थियों में गणित के प्रति डर को खत्म कर उन्हें विषय के प्रति प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि ये पुस्तकें जिले के शैक्षणिक स्तर को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी और शिक्षा क्षेत्र में नवाचार का उदाहरण प्रस्तुत करेंगी।

जिला गणित विशेषज्ञ छत्रपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि मैथ पजल बुकलेट में कक्षा पहली से 12वीं तक के गणितीय सिद्धांतों को सुडोकू जैसे रोचक माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। इससे विद्यार्थी खेल-खेल में गणित को समझ सकेंगे और खुद भी प्रश्न तैयार कर उनके समाधान खोज पाएंगे। खास बात यह है कि यह सामग्री शिक्षकों द्वारा निःशुल्क तैयार की गई है। उन्होंने बताया कि इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड की पुस्तक में 15 अध्याय शामिल होंगे, जिसमें कक्षा पहली से लेकर मास्टर्स स्तर तक का सिलेबस कवर किया जाएगा। इसमें ओलंपियाड के प्रश्नों के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं से संबंधित गणित भी शामिल रहेगा। यह पुस्तक जल्द ही बाजार में उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके अलावा जिला कैथल के प्रत्येक ब्लॉक मुख्यालय पर इंटरनेशनल मैथ ओलंपियाड की कोचिंग भी शुरू की गई है, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर तैयारी का अवसर मिल सके। इस अवसर पर एडीसी सुशील कुमार, जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष कुमार, मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी दिव्यता मेहर सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

ईवी के लिए नया प्लांट लगाने में हरियाणा को प्राथमिकता देगी सुजुकी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से नई दिल्ली स्थित हरियाणा भवन में सुजुकी मोटर के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने मुलाकात की। इस दौरान सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने मुख्यमंत्री से वायदा किया कि सुजुकी मोटर भविष्य में भी हरियाणा के अंदर और निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि भारत की प्रोग्रेस के साथ-साथ हरियाणा की प्रोग्रेस में भी उनकी कंपनी पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान और हरियाणा के बीच सांस्कृतिक सहयोग के लिए जापान में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव आयोजित किया जाएगा। उन्होंने 20 जून को टोक्यो विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय गीता सेमिनार में विशिष्ट अतिथि के रूप में आने के लिए सुजुकी के सीईओ तोशीहिरो सुजुकी को न्यौता भी दिया। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा पहले भी सुजुकी मोटर को सहयोग करता रहा है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि भविष्य में सुजुकी मोटर हरियाणा में ही निवेश करेगी। उन्होंने कहा कि सुजुकी मोटर इकलौती ऐसी कंपनी है जिसे हरियाणा राज्य ने एसजीएसटी इनसेंटिव दिया है। इस पर सीईओ तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि वह भारत में हाईब्रिड और सीएनजी गाडियों पर फोकस करेंगे।

भविष्य में यदि उन्हें ईवी के लिए गाड़ियां बनानी पड़ी और नया प्लांट बनाया तो निश्चित रूप से निवेश के लिए उनकी पहल हरियाणा होगा।

उन्होंने कहा कि सुजुकी के साथ हरियाणा सरकार का कम्यूनिकेशन ऐसे ही बना रहे और हरियाणा सरकार का सहयोग मिलता रहे। उन्होंने कहा कि 1982-83 में सुजुकी को शुरू किया था, तब हमने पाया कि भारत और जापान के काम करने का तरीका अलग है लेकिन फिर भी भारत और जापान में बहुत सारी समानता है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि जापान और हरियाणा के बीच सांस्कृतिक सहयोग बढ़ाने के लिए जून महीने में अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन जापान में किया जाएगा। उन्होंने सुजुकी के सीईओ से अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के दिव्य आयोजन में जापानी नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए, कुरुक्षेत्र विकास बोर्ड को जापान के किसी प्रतिष्ठित सामाजिक संगठन के साथ जोडने में सहयोग करने का आग्रह किया। इस पर सीईओ तोशीहिरो ने विचार करने पर हामी भरी।

हरियाणा के 46 न्यायिक अधिकारियों के तबादले

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा के 46 न्यायिक अधिकारियों के तबादले और नई तैनाती की है। जारी सूची के अनुसार, वाणी गोपाल शर्मा गुरुग्राम से पानीपत भेजी गई हैं और उन्हें जिला एवं सत्र न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया है। नरेंद्र सूरा को नारनौल से गुरुग्राम स्थानांतरित किया गया है। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि अधिकतर अधिकारी तुरंत प्रभाव से नई जगह कार्यभार संभालेंगे, जबकि पहले दो अधिकारियों का तबादला एक मई 2026 से प्रभावी होगा। हरियाणा सुप्रियर जूडिशल सर्विस के अन्य प्रमुख तबादलों में राजेश कुमार नूंह से फरीदाबाद, डा. सुनीता ग्रोवर रेवाड़ी से गुरुग्राम, महावीर सिंह गुरुग्राम से कुरुक्षेत्र, राजीव गोयल पंचकूला से कैथल, अजय कुमार वर्मा नूंह से कैथल, यशविंदर पाल सिंह जगाधरी से गुरुग्राम, सोनिका चंडीगढ़ से नारनौल, देविंदर सिंह कैथल से सिरसा और सुदीप गोयल जगाधरी से गुरुग्राम भेजे गए हैं। इसी क्रम में कंवर पाल नारनौल से फरीदाबाद, जैस्मिन शर्मा गुरुग्राम से हिसार, डा. अमित कुमार गर्ग कैथल से अंबाला, पुनीत सहगल गुरुग्राम से हिसार, विजयंत सहगल पंचकूला में ही विशेष जज सीबीआइ कोर्ट के रूप में, सुनील चौहान गुरुग्राम में ही, हर्षाली चौधरी नारनौल में ही तथा अभिलाषा सप्रा कोहली अंबाला में ही नई जिम्मेदारियों के साथ नियुक्त किए गए हैं। सुमित गर्ग को सिरसा से झज्जर भेजा गया है। इसके अलावा डॉ. गगनदीप मित्तल हिसार से अंबाला, हेम राज मित्तल फरीदाबाद से पलवल, लोकेश गुप्ता रेवाड़ी से फरीदाबाद, रोहित वाट्स जगाधरी से चंडीगढ़, निशांत हिसार से गुरुग्राम, डा. मनपाल रामावत अंबाला से रेवाड़ी, डा. विवेक गोयल करनाल से जगाधरी, नेहा नोहरिया जींद से करनाल, अर्चना यादव पानीपत से जींद, ज्योति लांबा फरीदाबाद से सिरसा, डा. अशोक कुमार अंबाला में ही, सुनील कुमार देवान गुरुग्राम से नूंह, रजनीश कुमार करनाल से जगाधरी, नितिन किनरा सिरसा से करनाल और अरविंद कुमार कुरुक्षेत्र से चंडीगढ़ भेजे गए हैं।

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी टीकाकरण जरूरी

एजेंसी

गुरुग्राम। एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर को रोकने में अहम भूमिका निभाता है। अभिभावकों से अपील है कि वे अपनी किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं। यह वैक्सीन सरकार द्वारा निशुल्क उपलब्ध कराई जा रही है और इसका उद्देश्य बेटियों को गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखना है। यह बात उपायुक्त उत्तम सिंह ने अधिकारियों के साथ अभियान की समीक्षा बैठक में कही।

इससे पूर्व हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने वीडियो कॉफ्रेंसिंग के माध्यम से टीकाकरण अभियान की समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इसके बाद उपायुक्त उत्तम सिंह ने जिला स्तर पर अधिकारियों के साथ बैठक कर अभियान को तेज गति से पूरा करने के निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने बताया कि एचपीवी वैक्सीन सर्वाइकल कैंसर को रोकने में अहम भूमिका निभाती है। यह टीकाकरण मुख्य रूप से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों के लिए चलाया जा रहा है, ताकि भविष्य में इस गंभीर बीमारी के खतरे को कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि अभिभावकों में यदि कोई शंका है तो उसे जागरूकता के माध्यम से दूर किया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य व शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे आपसी तालमेल के साथ इस अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाएं। स्कूलों में छात्राओं का डाटा तैयार कर स्वास्थ्य विभाग के साथ सांझा किया जाए। पीटीएम के दौरान अभिभावकों को टीकाकरण के महत्व की जानकारी दी जाए। पंचायत स्तर पर भी विशेष अभियान चलाकर अधिक से अधिक लोगों तक संदेश पहुंचाया जाए।

उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि पीएचसी, सीएचसी और जिला अस्पतालों में चिकित्सक लोगों को जागरूक करें और स्पष्ट रूप से बताएं कि यह टीका पूरी तरह सुरक्षित है।

टीकाकरण से पहले यह सुनिश्चित किया जाए कि लाभार्थी किशोरी खाली पेट न हो और अभिभावकों की पूर्व सहमति लेना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए। डीसी ने कहा कि सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए यह अभियान एक महत्वपूर्ण कदम है।

मुंगेशपुर ड्रेन के तटबंधों को मजबूत करने का कार्य तेज, एसडीएम ने किया निरीक्षण

एजेंसी

बहादुरगढ़। क्षेत्र में जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से मुंगेशपुर ड्रेन के तटबंधों को मजबूत करने का कार्य तेजी से किया जा रहा है। इसी क्रम में एसडीएम अभिनव सिवाच ने मौके पर पहुंचकर चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने ड्रेन के तटबंधों की मजबूती, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता तथा कार्य की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि कार्य को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाए तथा गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष हुई समस्या को देखते हुए ओर आगामी बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए ड्रेन की क्षमता और मजबूती सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है, ताकि जलभराव जैसी समस्याओं से क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके। एसडीएम ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कार्यस्थल पर नियमित निगरानी रखी जाए और सभी सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए।

दयालु-2 योजना की बैठक में पात्र परिवारों को शीघ्र सहायता सुनिश्चित करने पर चर्चा

एजेंसी

गुरुग्राम। पटौदी के एसडीएम दिनेश लुहाच की अध्यक्षता में लघु सचिवालय के कॉफ्रेंस हॉल में दीन दयाल उपाध्याय अंत्योदय परिवार सुरक्षा योजना (दयालु-2) की जिला स्तरीय समिति की बैठक आयोजित की गई, जिसमें योजना के तहत प्राप्त मामलों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में योजना के उद्देश्य और प्रावधानों पर चर्चा की गई, जिसमें बताया गया कि हरियाणा सरकार द्वारा यह योजना दुर्घटना, मृत्यु, चोट या कुत्ते व अन्य पशुओं के हमले से प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता देने के लिए लागू की गई है। जिला सांख्यिकीय अधिकारी अजय ठाकुर ने जिले में प्राप्त मामलों की जानकारी प्रस्तुत की। समीक्षा के दौरान बताया गया कि पोर्टल पर कुल 22 मामले दर्ज किए गए।

बैठक में पात्र लाभार्थियों को समयबद्ध तरीके से सहायता उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। समिति ने यह भी सुनिश्चित करने पर बल दिया कि लंबित मामलों में जरूरी औपचारिकताएं जल्द पूरी करवाई जाएं और पुलिस सत्यापन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा करते हुए

पात्र आवेदकों को शीघ्र मुआवजा प्रदान किया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोगों को योजना का लाभ मिल सके। बैठक में कुत्ते के काटने सहित अन्य मामलों में मुआवजा राशि तय की गई। एसडीएम ने निर्देश दिए कि सीएमओ अपने स्तर पर डॉक्टरों के साथ बैठक कर मेडिकल प्रमाण पत्रों की जांच करें, ताकि चोट की गंभीरता के आधार पर सही पात्र लोगों को जल्दी सहायता मिल सके।

योजना के तहत दुर्घटना में मृत्यु या 70 प्रतिशत से अधिक विकलांगता पर एक लाख से पांच लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है। आयु के अनुसार सहायता राशि निर्धारित है, जिसमें 12 वर्ष तक एक लाख, 12 से 18 वर्ष तक 2 लाख, 18 से 25 वर्ष तक 3 लाख, 25 से 45 वर्ष तक 5 लाख और 45 से 60 वर्ष तक 3 लाख रुपये दिए जाते हैं।

फसलों की एमएसपी पर खरीद का झूठ राग अलाप रही सरकार : सुरजेवाला

एजेंसी

जींद। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि 24 फसलों की एमएसपी पर खरीदी का झूठ का राग बजाने वाली भाजपा हरियाणा में किसानों को गेहूं की फसल की खरीदी और भुगतान में भी रुला रही है। किसान विरोधी भाजपा की काली करतूतों और खेती विरोधी साजिशों से किसान का पीला सोना ही मुसीबतों का रोना बन गया है। किसानों की हकमारी और घोटालेबाजी में रफ्तार भरने वाला भाजपाई डबल इंजन किसानों को फसल खरीदी और उठान, भुगतान के नाम पर खून के आंसू रुला रहा है।

राज्यसभा सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला गुरूवार को जींद, नरवाना तथा उचाना अनाज मंडी का दौरा कर रहे थे। सुरजेवाला ने कहा कि हरियाणा में खेती और किसानी के लिए भाजपा नासूर बनी हुई है। भाजपा मंडी व्यवस्था को ही निगल जाने पर तुली है। सरसों खरीदी में गड़बड़झाले व बेईमानी को लेकर विधान सभा के विशेष सत्र में एक दिन की चर्चा की जानी चाहिए। इसे लेकर सीएम नायब सैनी जिम्मेवारी लें और किसान, आढती, मजदूर को विशेष राहत पैकेज मिले। इस दौरान किसानों की भी समस्याएं सुनी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की मंडियों में अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं आ चुका है लेकिन केवल 55.81 लाख मीट्रिक टन की ही खरीद हो पाई है। करीब 25 लाख मीट्रिक टन गेहूं अभी भी खरीद के इंतजार में पड़ा है। खरीदे गए गेहूं में से भी केवल 26.63 लाख मीट्रिक टन का उठान हुआ है। जिससे हालात और बिगड़ गए हैं। उन्होंने कहा कि लगभग 70 प्रतिशत गेहूं यानी 53 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा फसल अभी भी खुले आसमान के नीचे पड़ी है। मंडियों में पहुंचे 7.70 लाख किसानों में से केवल 4.62 लाख किसानों की ही फसल खरीदी गई है। जबकि तीन लाख से ज्यादा किसान अब भी अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। सुरजेवाला ने कहा कि जींद जिले की स्थिति और चिंताजनक है। यहां 8.51 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है लेकिन केवल 6.6 लाख मीट्रिक टन की खरीद हुई।

महिलाओं के विकास के लिए मोदी सरकार प्रतिबद्ध: संगारेड्डी जिला भाजपा अध्यक्ष गोधावरी अंजिरेड्डी

आकाश ज्योति
सिद्दिपेट, 24 अप्रैलः महिलाओं को आर्थिक, राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों में आगे बढ़ाने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा लाए गए 33 प्रतिशत महिला आरक्षण विधेयक का कांग्रेस पार्टी द्वारा विरोध करना शर्मनाक है, ऐसा संगारेड्डी जिला भाजपा अध्यक्ष गोधावरी अंजिरेड्डी ने कहा।
उन्होंने आरोप लगाया कि लगभग 50 वर्षों तक देश पर शासन करने वाली कांग्रेस पार्टी महिलाओं के कल्याण के लिए उचित कदम उठाने में विफल रही। उन्होंने यह भी कहा कि राज्यसभा में पारित महिला आरक्षण विधेयक को लोकसभा में अटकाने का श्रेय भी कांग्रेस को ही जाता है। सिद्दिपेट जिला केंद्र के प्रेस क्लब में 'नारी शक्ति' के तत्वावधान में आयोजित मीडिया बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की एनडीए सरकार महिलाओं के कल्याण के लिए कई योजनाएं लागू कर रही है और उनके विकास के लिए प्रतिबद्ध है। महिला विधेयक को रोकना 'जन्म लेने वाले बच्चे को गर्भ में ही समाप्त करने जैसा' है, ऐसा उन्होंने टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस गठबंधन महिलाओं के अधिकारों को नुकसान पहुंचा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस द्वारा भाजपा पर अल्पसंख्यकों के खिलाफ होने का दुष्प्रचार किया गया, लेकिन केंद्र सरकार ने ट्रिपल तलाक को समाप्त कर मुस्लिम महिलाओं को न्याय दिलाया है। इसके अलावा, गरीब महिलाओं के लिए जनधन खाते, बालिकाओं की सुरक्षा के लिए 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसी योजनाएं लागू कर महिलाओं को सशक्त बनाने का श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ही जाता है। इस कार्यक्रम में भाजपा राज्य के आधिकारिक प्रवक्ता कप्परा प्रसाद राव, जिला अध्यक्ष शंकर, महिला मोर्चा अध्यक्ष इर्री उमारेड्डी, नगर अध्यक्ष बासांगरी वेंकट, संतोष, तोडुपुनूरी वेंकटेशम सहित अन्य नेता उपस्थित थे।

बरवाला में जल्द होगा सिटी पार्क, लाइब्रेरी तथा सडक़ मार्ग का निर्माण : कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा

एजेंसी
हिसार, 24 अप्रैल। हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि बरवाला में जल्द ही सिटी पार्क, लाइब्रेरी तथा सडक़ मार्ग का निर्माण होगा, इसके लिए शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने 7 करोड़ 68 लाख 91 हजार रूपये की राशि जारी कर दी है।
उन्होने बताया कि शहरी अवसंरचना विकास निधि योजना के तहत पुस्तकालय निर्माण के लिए 385.60 लाख रुपये की प्रशासनिक मंजूरी और धनराशि का आवंटन कर दिया गया है। इसी प्रकार से सिटी पार्क के निर्माण कार्य के लिए 324.57 लाख रुपये तथा मुख्यमंत्री शहरी समग्र विकास योजना के अंतर्गत एन.एच. 52 पर जनता धर्म कांटा के पास से बरवाला बाईपास एन.एच. 65/52 तक पक्के रास्ते के निर्माण के कार्य के लिए 58.74 लाख रुपये की

■ हरियाणा के लोक निर्माण एवं जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा है कि बरवाला में जल्द ही सिटी पार्क, लाइब्रेरी तथा सडक़ मार्ग का निर्माण होगा, इसके लिए शहरी स्थानीय निकाय विभाग ने 7 करोड़ 68 लाख 91 हजार रूपये की राशि जारी कर दी है।

धनराशि का आवंटन किया गया है। उन्होने कहा कि जल्द ही तीनों परियोजनाओं पर काम आरंभ होगा इसके लिए नगर परिषद को विस्तृत दिशा निर्देश भी जारी कर दिए है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि बरवाला उपमंडल क्षेत्र के चरणबद्ध विकास को लेकर व्यापक कार्य योजना तैयार की गई है जिसके तहत कई परियोजनाएं हाल ही में स्वीकृत हुई है और कई अन्य परियोजनाओं को जल्द ही राज्य सरकार से स्वीकृति मिल जाएगी।

मनरेगा मजदूरों के हित में सख्त कदम.... कलेक्टर ने किया निरीक्षण

पवन बजाज
मंचेरियाल, 24 अप्रैल 2026 : जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने भिमिनी मंडल में मनरेगा कार्यों का निरीक्षण किया।
उन्होंने कहा कि मजदूरों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सुबह 6 बजे से 11 बजे तक ही काम कराया जाए तथा कार्यस्थलों पर छाया, पेयजल, ओआरएस और मेडिकल सुविधा उपलब्ध कराई जाए।
कलेक्टर ने बताया कि मनरेगा के तहत ग्रामीण विकास कार्यों के साथ पात्र लाभार्थियों को व्यक्तिगत कार्य भी दिए जाएंगे और मजदूरों को 100 दिन का रोजगार पूरा करने पर जोर दिया गया। साथ ही जरूरतमंदों को पशु शेड, फार्म पोंड और अन्य सुविधाएं देने की बात कही।
निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और तहसील कार्यालय का भी दौरा किया। अस्पतालों में बेहतर चिकित्सा सेवाएं, दवाइयों की उपलब्धता और समय पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।
ग्राम सभा में भाग लेते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास में जनभागीदारी जरूरी है और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है।

आर्यवैश्य महासभा के राज्य उपाध्यक्ष तोपाजी अनंत किशन के नेतृत्व में कृतज्ञता सभा आयोजित

आकाश ज्योति
संगारेड्डी, 24 अप्रैलः वासवी कन्यका परमेश्वरी जयंती को आधिकारिक रूप से घोषित किए जाने पर आर्यवैश्य महासभा के राज्य उपाध्यक्ष तोपाजी अनंत किशन के नेतृत्व में संगारेड्डी स्थित आईबी में शुक्रवार को कृतज्ञता सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पालिका अध्यक्ष वनीता ने कहा कि वासवी कन्यका परमेश्वरी जयंती को आधिकारिक रूप से घोषित किया जाना हर्ष का विषय है। वहीं, राज्य उपाध्यक्ष एवं वासवी महा संस्थान के चेयरमैन तोपाजी अनंत किशन ने सरकार के इस निर्णय का स्वागत करते हुए कहा कि 26 तारीख को सुबह 10 बजे सरकारी अस्पताल से कलेक्टर कार्यालय तक बाइक रैली आयोजित की जाएगी। इसके बाद कलेक्टर कार्यालय में सभा भी आयोजित होगी। उन्होंने वासवी जयंती को आधिकारिक रूप से घोषित करने के लिए प्रयास करने वाली आर्यवैश्य कॉर्पोरेशन की काल्वा सुजाता को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष बेजगम श्रीनिवास, काउंसलर तोपाजी वीणा, TUWJ जिला अध्यक्ष बंडारू यादगिरी, किराना मर्चेंट एसोसिएशन अध्यक्ष मिर्याला पांडुरंगम, मुख्य सचिव अक्षंतला मदनमोहन, मेडिकल एसोसिएशन राज्य मुख्य सचिव अनुमुला संतोष, मार्केट कमेटी डायरेक्टर मैडम राधा किशन, जूलकांति बुच्चिलिंगम, वासवी क्लब इंटरनेशनल वाइस प्रेसिडेंट पुल्लूरी प्रकाश, वासवी महासंस्थान के मुख्य सचिव इल्लींतला राजू, कोषाध्यक्ष जूलकांति मल्लेशम, आर्यवैश्य संघ के नगर अध्यक्ष कोम्पल्ली विद्यासागर, मुख्य सचिव नाम भास्कर, युवा विंग अध्यक्ष तोपाजी हरीश, महिला विंग राज्य कार्यकारिणी सदस्य तोपाजी तेजावती और नगर अध्यक्ष अक्षंतला कृष्णवेणी सहित कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक बालिकाओं के गुरुकुल में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रितः प्राचार्य पी.हेमलता

आकाश ज्योति
संगारेड्डी, 24 अप्रैलः संगारेड्डी शहर स्थित TGMRS & JC गर्ल्स-1 (तेलंगाना अल्पसंख्यक बालिका गुरुकुल विद्यालय एवं कॉलेज) में शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए योग्य छात्राओं से प्रवेश आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।
प्राचार्य पी. हेमलता ने शुक्रवार को जारी एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 5वीं कक्षा में अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए 60 सीटें तथा गैर-अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए 20 सीटें उपलब्ध हैं। इसी प्रकार 6वीं, 7वीं और 8वीं कक्षाओं में भी अल्पसंख्यक सीटें खाली हैं।
इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष में ष्ष्श्ष्ट और MEC समूहों में अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए 30 सीटें तथा गैर-अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए 10 सीटें निर्धारित की गई हैं। योग्य छात्राएं अपने आवेदन विद्यालय एवं कॉलेज के एडमिशन डेस्क पर जमा कर सकती हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 30 अप्रैल निर्धारित की गई है।
आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेजः आधार कार्ड, आय प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साइज फोटो, मोबाइल नंबर, जन्म प्रमाण पत्र। इसके अतिरिक्त टीसी और बोनाफाइड प्रमाण पत्र के साथ प्रवेश की पुष्टि की जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए 7331170817 नंबर पर संपर्क करें या आधिकारिक वेबसाइट tmreistelangana.cgg.gov.in पर जाएं।

मेडक जिले के शिवायपल्ली गांव में इंदिरम्मा आवास का गृह प्रवेश समारोह

मेडक, 24 अप्रैल 2026–
कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने किया उद्घाटन, लाभार्थियों में खुशी का माहौल
गरीबों के अपने घर के सपने को साकार कर रही है तेलंगाना सरकार
जिले में अब तक 750 घर पूरे, 650 गृह प्रवेश संपन्न
तेलंगाना सरकार द्वारा गरीबों के अपने घर के सपने को पूरा करने के उद्देश्य से शुरू की गई इंदिरम्मा आवास योजना के तहत मेडक मंडल के शिवायपल्ली गांव में शुक्रवार को उत्सव के माहौल में गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने भाग लिया और इंदिरम्मा घर का उद्घाटन किया।
इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि 'प्रजा पालना प्रगति योजना' के 99 दिनों के कल्याण उत्सव के तहत जिले में बड़े पैमाने पर इंदिरम्मा घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिवायपल्ली गांव में लाभार्थी तोटा लक्ष्मी के घर के गृह प्रवेश में शामिल होना खुशी की बात है।
कलेक्टर ने कहा कि इंदिरम्मा आवास निर्माण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है और जिन लोगों के पास खुद की जमीन है लेकिन घर नहीं है, उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार चरणबद्ध तरीके से धनराशि जारी कर रही है और प्रत्येक घर के निर्माण के लिए 5 लाख रुपये दिए जा रहे हैं। उन्होंने लाभार्थियों से इस योजना का सही तरीके से उपयोग करने की अपील की। कलेक्टर ने बताया कि जिले में अब तक 750 इंदिरम्मा घरों का निर्माण पूरा हो चुका है और 650 घरों का गृह प्रवेश कराया जा चुका है। बाकी लाभार्थियों को भी जल्द निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। इस कार्यक्रम में मेडक आरडीओ रमादेवी, तहसीलदार लक्ष्मण बाबू, हाउसिंग पीडी माणिक्यम, सरपंच, अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल पर भाजपा का समर्थन, सरकार से तुरंत कार्रवाई की मांग... जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़

पवन बजाज
मंचेरियाल, 24 अप्रैल2026: मंचेरियाल जिले में आरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल को लेकर सियासी माहौल गरमा गया है। भारतीय जनता पार्टी ने हड़ताल कर रहे कर्मचारियों को अपना समर्थन देते हुए सरकार से तुरंत उनकी मांगों पर कार्रवाई करने की मांग की है।
भाजपा जिला अध्यक्ष नगुनूरी वेंकटेश्वर गौड़ ने शुक्रवार को मंचेरियाल स्थित आरटीसी डिपो का दौरा किया और हड़ताल पर बैठे कर्मचारियों से मुलाकात कर उनका हौसला बढ़ाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि आरटीसी कर्मचारी अपने हक के लिए संघर्ष कर रहे हैं और भाजपा उनके साथ खड़ी है।
उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि चुनाव के समय किए गए वादों को अब तक पूरा नहीं किया गया। सरकार ने आरटीसी को सरकारी संस्था का दर्जा देने और कर्मचारियों को सरकारी कर्मचारी मानने का आश्वासन दिया था, लेकिन दो साल बीत जाने के बाद भी इस दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।
भाजपा नेता ने कहा कि कर्मचारियों की समस्याओं को नजरअंदाज करना और उनसे बातचीत न करना सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है। उन्होंने यह भी मांग की कि कर्मचारियों के लंबित वेतन संशोधन को तुरंत लागू किया जाए और उनकी सभी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाए।
इस मौके पर भाजपा के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिन्होंने कर्मचारियों के समर्थन में आवाज उठाई।

मीडिया की जिम्मेदारी..जनता तक पहुंचे सिर्फ सच्ची और प्रमाणिक खबरें– जिला कलेक्टर

■ जिला कलेक्टर एवं जिला मीडिया अक्रीडिटेशन कमेटी के चेयरमैन कुमार दीपक ने कहा कि मीडिया संस्थानों को हमेशा जनता तक सही और तथ्यात्मक जानकारी पहुंचानी चाहिए।

पवन बजाज
मंचेरीयाल, 24 अप्रैल 2026: जिला कलेक्टर एवं जिला मीडिया अक्रीडिटेशन कमेटी के चेयरमैन कुमार दीपक ने कहा कि मीडिया संस्थानों को हमेशा जनता तक सही और तथ्यात्मक जानकारी पहुंचानी चाहिए। उन्होंने कहा कि अखबार और न्यूज़ चैनल समाज में जागरूकता बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं, इसलिए खबरों में सच्चाई और पारदर्शिता बनाए रखना जरूरी है।नस्पूर स्थित एकीकृत जिला कार्यालय परिसर में आयोजित जिला मीडिया अक्रीडिटेशन कमेटी की बैठक में कलेक्टर ने भाग लिया। बैठक का आयोजन जिला जनसंपर्क अधिकारी एवं कमेटी कन्वीनर मादमशेट्टी कृष्णमूर्ति के नेतृत्व में किया गया।
कलेक्टर ने निर्देश दिए कि वर्ष 2026-28 के लिए सरकारी नियमों के अनुसार ही योग्य कार्यरत पत्रकारों को अक्रीडिटेशन प्रदान किया जाए। उन्होंने कहा कि बिना मान्यता के कुछ लोग खुद को पत्रकार बताकर काम कर रहे हैं, जिससे वास्तविक पत्रकारों को समस्याएं हो रही हैं। ऐसे मामलों पर उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों की गहन जांच कर केवल पात्र व्यक्तियों का चयन सुनिश्चित किया जाए। इस मौके पर कमेटी सदस्य अलगुवेल्ली रमेश रेड्डी, गल्लापल्ली सिद्धार्थ, पार्वती सुरेश कुमार, डेगा सत्यनारायण, मोहम्मद इमाद उद्दीन, रूपी रेड्डी प्रकाश रेड्डी, ऐनमपुडी नवीन कुमार, गल्लन नरेश, बेक्कम सदानंदम, मोदंपुरम संतोष ,बैठक में अन्य संबंधित अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

युवाओं को कौशल पर ध्यान देने की सलाह, कलेक्टर बोले—एकाग्रता से ही मिलेगी सफलता

पवन बजाज
मंचेरियाल, 24 अप्रैल 2026:जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने नस्पूर में आयोजित कौशल विकास एवं करियर जागरूकता कार्यक्रम में युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि बेरोजगार युवाओं को अपने चुने हुए क्षेत्र में एकाग्रता के साथ कौशल हासिल करना चाहिए, तभी वे जीवन में सफल हो सकते हैं। उन्होंने बताया कि सरकार एडवांस्ड टेक्नोलॉजी सेंटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध करा रही है, जिसका युवाओं को लाभ उठाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि निजी क्षेत्र में रोजगार पाने के लिए कौशल और व्यावहारिक ज्ञान बेहद जरूरी है।
विदेशों में भी रोजगार के अवसरों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जर्मनी जैसे देशों में इलेक्ट्रिशियन, ड्राइवर और नर्सिंग क्षेत्रों में मांग है। इसके लिए योग्य युवाओं को प्रशिक्षण और भाषा सिखाकर रोजगार के अवसर दिए जा रहे हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नियमित रूप से प्रशिक्षण में भाग लें, कोर्स को गंभीरता से सीखें और अधिक अनुभव के लिए अप्रेंटिसशिप का लाभ उठाएं। साथ ही, रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए जॉब मेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

युवाओं को स्किल डेवलपमेंट से मिलेंगे रोजगार के अवसरः कलेक्टर प्रतिमा सिंह

मेदक , 24 अप्रैल 2026: जिला कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने कहा कि बदलते समय के अनुसार युवाओं को अपने चुने हुए क्षेत्रों में कौशल (स्किल) विकसित करने से बेहतर रोजगार के अवसर मिल सकते हैं।
99 दिनों की प्रजा पालन प्रगति योजना के तहत आयोजित कल्याण सप्ताह के अवसर पर शुक्रवार को समेकित कलेक्टरेट के प्रजावाणी हॉल में एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक कल्याण विभागों के संयुक्त तत्वावधान में एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें इंटरमीडिएट और डिग्री पूरी कर चुके युवाओं को स्किल डेवलपमेंट और स्वरोजगार योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई।
इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा एससी, एसटी, बीसी और अल्पसंख्यक युवाओं को तकनीकी और उद्यमिता कौशल (टेक्निकल और एंटरप्रेन्योरियल स्किल्स) में मुफ्त प्रशिक्षण देकर रोजगार उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस दौर में युवाओं को कंप्यूटर कोर्स में दक्ष होना जरूरी है ताकि वे प्रतिस्पर्धी दुनिया में आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम में आईटीसी कंपनी के प्लांट मैनेजर आनंद और टेक्नीशियन शिवैया ने कौशल प्रशिक्षण के माध्यम से नौकरी प्राप्त करने के तरीकों पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आईटीसी में 50 नौकरियों के अवसर उपलब्ध हैं और इसके लिए योग्य युवाओं से आवेदन पत्र भी प्राप्त किए गए। इस कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा उपस्थित रहे।

मेडक जिले के शिवायपल्ली गांव में इंदिरम्मा आवास का गृह प्रवेश समारोह

मेडक, 24 अप्रैल 2026– तेलंगाना सरकार द्वारा गरीबों के अपने घर के सपने को पूरा करने के उद्देश्य से शुरू की गई इंदिरम्मा आवास योजना के तहत मेडक मंडल के शिवायपल्ली गांव में शुक्रवार को उत्सव के माहौल में गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला कलेक्टर प्रतिमा सिंह ने भाग लिया और इंदिरम्मा घर का उद्घाटन किया।
इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि 'प्रजा पालना प्रगति योजना' के 99 दिनों के कल्याण उत्सव के तहत जिले में बड़े पैमाने पर इंदिरम्मा घरों के गृह प्रवेश कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि शिवायपल्ली गांव में लाभार्थी तोटा लक्ष्मी के घर के गृह प्रवेश में शामिल होना खुशी की बात है।
कलेक्टर ने कहा कि इंदिरम्मा आवास निर्माण पूरी पारदर्शिता के साथ किया जा रहा है और जिन लोगों के पास खुद की जमीन है लेकिन घर नहीं है, उन्हें प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकार चरणबद्ध तरीके से धनराशि जारी कर रही है और प्रत्येक घर के निर्माण के लिए 5 लाख रुपये दिए जा रहे हैं।
उन्होंने लाभार्थियों से इस योजना का सही तरीके से उपयोग करने की अपील की। कलेक्टर ने बताया कि जिले में अब तक 750 इंदिरम्मा घरों का निर्माण पूरा हो चुका है और 650 घरों का गृह प्रवेश कराया जा चुका है। बाकी लाभार्थियों को भी जल्द निर्माण पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।
इस कार्यक्रम में मेडक आरडीओ रमादेवी, तहसीलदार लक्ष्मण बाबू, हाउसिंग पीडी माणिक्यम, सरपंच, अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना व शुरुआती संकेतों को पहचानना ही है बेहतर इलाज के लिए अहम

एजेंसी
पानीपत, 24 अप्रैल। दिल्ली द्वारका के मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल ने पानीपत में एसएन अस्पताल में अपनी विशेष बोन मैरो ट्रांसप्लांट (बीएमटी) और मेडिकल ऑन्कोलॉजी ओपीडी सेवाओं की शुरुआत की। इस ओपीडी सेवा का शुभारंभ मैक्स सुपर स्पेशलिटी अस्पताल द्वारका के बीएमटी एवं हेमेटो ऑन्कोलॉजी विभाग की सीनियर कंसल्टेंट डॉ. प्रतिभा धीमान और मेडिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की सीनियर कंसल्टेंट डॉ. शाइना गोयल की उपस्थिति में किया गया। डॉ. प्रतिभा धीमान हर महीने के चौथे शुक्रवार को उपलब्ध रहेंगी, जबकि डॉ. शाइना गोयल हर महीने के चौथे मंगलवार को एसएन अस्पताल पानीपत में प्राथमिक परामर्श और फॉलो-अप के लिए उपलब्ध रहेंगी। इस मौके पर पत्रकार वार्ता में डॉ. प्रतिभा धीमान ने बताया कि ल्यूकेमिया, लिंफोमा और मायलोमा जैसे ब्लड कैंसर के मामलों में समय पर पहचान जरूरी होती है, क्योंकि लगातार थकान, बिना कारण बुखार या ब्लड टेस्ट में असामान्यता जैसे लक्षण गंभीर बीमारी का संकेत हो सकते हैं। बच्चों व युवाओं में कैंसर का समय पर और सही सेंटर पर इलाज होने से ठीक होने की संभावना अधिक रहती है। डॉ. शाइना गोयल, ने कहा कि कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना और शुरुआती संकेतों को पहचानना बेहतर इलाज के लिए बेहद अहम है, क्योंकि समय पर निदान सफल उपचार का महत्वपूर्ण आधार है।

नारी वंदन, नारी क्रंदन और चुनाव प्रबंधन का बड़ा 'खेल'!

>> विचार

ओंकारेश्वर पांडेय

महिला आरक्षण पर संविधान संशोधन बिल गिर गया। खुद को महिला हितैषी प्रचारित करने वाली बीजेपी का महिला उत्पीड़न को लेकर कैसा रवैया रहा है? आखिर उसका ट्रैक रिकॉर्ड क्या कहता है? 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' लाने के लिए मोदी सरकार का अभिनंदन किया जाना चाहिए। देश के नर-नारी इसके पक्ष में हैं, किंतु वे झूठ और ढकोसले के पक्ष में कदापि नहीं हैं। जब देश के 21 राज्यों की पंचायतों में महिलाओं को पहले ही 50% आरक्षण मिल चुका है, तो मात्र 33% आरक्षण वाले इस अधिनियम का ढिंढोरा पीटने वालों की नीयत को समझना अनिवार्य है।

एप्सटीन फाइलों से लेकर मणिपुर तक की घटनाएं : नारी शोषण की वैश्विक प्रतीक बनीं 'एप्सटीन फाइलों' से लेकर मणिपुर की हृदयविदारक घटनाओं और मधु किश्वर तक देश भर में नारियों के क्रंदन के बीच, जब सरकार 'नारी शक्ति वंदन' की बात करती है, तो उसकी नीति और नीयत का अंतर स्पष्ट हो जाता है। क्या यह वास्तव में 'महिला वंदन' है या मात्र 'मीडिया प्रबंधन'? मणिपुर में आज भी महिलाएं सड़कों पर मशालें लेकर न्याय की गुहार लगा रही हैं। उनके आंसुओं के बीच, चुनिंदा आमंत्रित महिलाओं से घिरे प्रधानमंत्री की मुस्कुराहट आंकड़ों के आईने में 'महिला प्रेम' के उस मुखौटे को तार-तार कर देती है, जो कांच के टुकड़ों की तरह बिखरा नजर आता है। प्रधानमंत्री मोदी के इस ये मैन (हाँ में हाँ मिलाने वाले) दौर के आंकड़ों की तुलना यदि डॉ. मनमोहन सिंह के "Wo-Man" (महिला-केंद्रित) दशक से करें, तो एक भयावह सत्य उभरता है। क्या यह वास्तव में नारी का वंदन था, या 2029 और 2034 के चुनावों के लिए किया गया एक चतुर 'चुनाव प्रबंधन'?

मुखर मोदी और मौन मनमोहन : अति-मुखर मोदी सरकार के विज्ञापनों में 5 लाख करोड़ रुपये के "जेंडर बजट" का डंका पीटा जाता है। किंतु जब वित्त मंत्रालय द्वारा संसद में दिए गए लिखित उत्तरों और बजट डिमांड नंबर 101 (महिला एवं बाल विकास मंत्रालय - M W C D) का विश्लेषण किया जाता है, तो यह वास्तविकता की कसौटी पर विफल सिद्ध होता है।

U P A का 'साइलेंट' रिवोल्यूशन (2004-2014) : डॉ. मनमोहन सिंह ने महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का बजट ?3,026 करोड़ (2004-05) से बढ़ाकर ?18,584 करोड़ (2013-14) पहुँचाया। यह 614% की सीधी वृद्धि थी। बिना किसी मेगा-इवेंट के, पैसा सीधा जमीन पर काम करने वाले तंत्र (ICDS और आंगनवाड़ी) को दिया गया।

N D A का 'शोर भरा' ठहराव (2014-2024): अगले 10 वर्षों में मोदी सरकार ने इस बजट को ?18,584 करोड़ से बढ़ाकर मात्र ?26,092 करोड़ (2024-25) तक पहुँचाया। वृद्धि दर? केवल 40%।

कड़वा सच : मुद्रास्फीति को जोड़ें तो आज की नारी को उसके हक का आधा भी नहीं मिल रहा। यदि मनमोहन सिंह वाली रफ़्तार जारी रहती, तो आज इस मंत्रालय का बजट 50,000 करोड़ से 60,000 करोड़ के बीच होना चाहिए था। यह कमी सीधे तौर पर कुपोषण और महिला सुरक्षा के बुनियादी ढांचे को कमजोर कर रही है।

'जेंडर बजट' की अकाउंटिंग बाजीगरी : सरकार ने जेंडर बजट का आंकड़ा ?5.41 लाख करोड़ (2025-26) दिखाकर एक भ्रम पैदा किया है। यह समझना जरूरी है कि यह सारा पैसा नया निवेश नहीं है:

टैगिंग का खेल : सरकार ने P M आवास और P M किसान जैसी बड़ी योजनाओं के खर्च को जेंडर बजट में "टैग" कर दिया है। यदि एक घर महिला के नाम पर बना, तो घर की पूरी निर्माण लागत को महिला कल्याण में जोड़ दिया गया। यह सशक्तिकरण नहीं, बल्कि पुरानी योजनाओं को नया चश्मा पहनाना है।

कटौती का सच : 2025-26 के संशोधित अनुमान (R E) बताते हैं कि घोषणा ?4.49 लाख करोड़ की थी, लेकिन वास्तव में खर्च में ?51,000 करोड़ की कटौती की गई। सत्ता के सर्वोच्च शिखर पर महिलाओं का 'अदृश्य' होना नारी वंदन के नारों के बीच यह तथ्य चौंकाने वाला है कि सत्ता के सबसे ताकतवर केंद्रों में महिलाओं की उपस्थिति नगण्य है

नियुक्ति समिति : देश के शीर्ष पदों का निर्णय लेने वाली इस सबसे शक्तिशाली समिति में शून्य (0) महिला है। इसमें केवल दो पुरुष सदस्य हैं-प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह।

कैबिनेट समितियां : टॉप 8 कैबिनेट समितियों में से एक की भी अध्यक्षता महिला के पास नहीं है। निर्मला सीतारमण जैसे चेहरे केवल सदस्य के रूप में मौजूद हैं।संवैधानिक रिक्तियां: राष्ट्रीय महिला आयोग (ठउह) जैसे निकायों में पद महीनों रिक्त रहते हैं। यह 'वंदन' है या संस्थागत 'रुदन'?

असली जमीनी हकीकत : 33% आरक्षण का वादा, लेकिन 2024 सरकार में सिर्फ 9.7% महिला मंत्री। 'नारी शक्ति' का नारा, पर कैबिनेट सुरक्षा समिति (उउर) में आज सिर्फ 1 महिला (निर्मला सीतारमण) मौजूद हैं। नारियों को समान अधिकार देने को लेकर लगभग सभी दलों में आम सहमति है। देश में 'नारी-विकास' से आगे 'नारी सशक्तिकरण' और 'नारी-नीत' विकास की बात हो चुकी है। कांग्रेस ने तो इस नारे से दशकों पहले इस देश को इंदिरा गांधी जैसा नेतृत्व देकर और बाद में सोनिया गांधी को यूपीए की चेयरपर्सन बनाकर 'नारी-नीत' विकास की एक अमिट और लंबी रेखा खींच डाली थी।

इतिहास गवाह है कि कांग्रेस की 'नारी शक्ति' की लकीर बहुत गहरी है : वह नेतृत्व जिन्होंने 1971 में बिना किसी इवेंट मैनेजमेंट के पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिए।प्रतिभा पाटिल: देश को पहली महिला राष्ट्रपति देने का श्रेय।

नेतृत्व का विस्तार: सुचेता कृपलानी को पहली महिला मुख्यमंत्री बनाया और शीला दीक्षित ने 15 साल दिल्ली को विकास की नयी ऊंचाई दी।

पंचायत आरक्षण: 1993 में राजीव गांधी द्वारा लाया गया 73वां और 74वां संशोधन ही वह आधार था जिसने आज 21 राज्यों में महिलाओं को 50% आरक्षण दिया है। इसीलिए जब राहुल गांधी इस अधिनियम की खामियों और O B C कोटे पर सवाल उठाते हैं, तो उनका संदेह जायज लगता है कि कहीं इसके नाम पर दक्षिण भारत और पिछड़ों की राजनीतिक हिस्सेदारी का "हस्सा चोरी" तो नहीं किया जा रहा?

परिसीमन, गेरीमैंडरिंग और अपराधीकरण : विपक्ष की आंखों में धूल झोंकने के लिए सरकार ने 2023 के अधिनियम में एक 'टाइम बम' फिट किया है-आरक्षण तब लागू होगा जब जनगणना और परिसीमन पूरा होगा। इसके पीछे का मकसद 'देरी की राजनीति' और 'गेरीमैंडरिंग' (निर्वाचन क्षेत्रों के नक्शे के साथ चालाकी) का डर है। वहीं नारी सुरक्षा की बात करने वाली पार्टियों का चरित्र 2024 के चुनाव में खुलकर सामने आया। ADR के आंकड़ों के अनुसार, 18वीं लोकसभा में 46% सांसदों पर आपराधिक मामले हैं, जिनमें महिलाओं के खिलाफ हिंसा के आरोपी भी शामिल हैं। बीजेपी में महिला विरोधी अपराधों के आरोपी सांसदों और विधायकों की संख्या (54) सबसे अधिक है।

वसुंधरा राजे से लेकर आनंदीबेन तक हाशिए पर नेतृत्व : सत्ता का दोहरा मापदंड उम्र के सवाल पर भी दिखता है। भाजपा की वरिष्ठ नेता वसुंधरा राजे खामोश हैं। आनंदीबेन पटेल को 2016 में '75 वर्ष की उम्र' और स्वास्थ्य का हवाला देकर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने को कहा गया। किंतु आज स्वयं के मामले में मोदी सरकार के लिए उम्र कोई बाधा नहीं। जब संघ प्रमुख मोहन भागवत (जो किसी संवैधानिक पद पर नहीं हैं) ने सवाल उठाए, तो उन्हें ही रिटायर होने की नसीहत दे दी गई। आनंदीबेन को हटाने की असली वजह 'मोदी-शाह' की हाँ में हाँ न मिलाना और उनकी 'स्वतंत्र सोच' थी।

वंदन या रुदन? : नारी शक्ति वंदन अधिनियम एक खूबसूरत लिफाफा है जिसके अंदर 'परिसीमन' और 'देरी' की कड़वी गोलियां छिपी हैं। मनमोहन सिंह के दौर में बजट "Wo-Man" (Empowerment) के लिए था, आज "Ye-Man" (P R) के लिए है।

संसद के विशेष सत्र (17 अप्रैल 2026) के दौरान इसे 'ऐतिहासिक उपलब्धि' के रूप में पेश किया जाना क्या केवल ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस जैसी क्षेत्रीय शक्तियों को चुनौती देने की रणनीति है? असली सशक्तिकरण होर्डिंग्स से नहीं, बल्कि संसद में भागीदारी और बजट में हिस्सेदारी से आता है। एक पंक्ति में कहें तो: "नारी वंदन का लिफाफा फाड़कर देखो, तो अंदर से निकलेगा संविधान की मूल भावनाओं के साथ किया गया राजनीतिक खिलवाड़।

संपादकीय

विधेयक का गिरना लोक तंत्र की जीत

पिछले दिनों लोक सभा में संविधान (131वां संशोधन) बिल पास नहीं हो पाया। इसे पास होने के लिए 352 वोट चाहिए थे, लेकिन सिर्फ 298 वोट ही मिले। 230 सांसदों ने इसके खिलाफ वोट दिया। सरकार ने इससे जुड़े दूसरे बिल (परिसीमन और केंद्रशासित क्षेत्र वाले) भी रोक दिए। सरकार का कहना था कि ये सभी बिल एक-दूसरे से जुड़े हैं, इसलिए इन्हें अलग-अलग नहीं देखा जा सकता।अमित शाह ने बहस के दौरान कहा कि दक्षिण भारत के राज्यों की लोकसभा में सीटें उनके वर्तमान हिस्से के हिसाब से ही बढ़ेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि बिल में 50% सीट बढ़ाने का नया प्रस्ताव जोड़कर इसे फिर से तैयार किया जा सकता है। लेकिन विपक्ष ने इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर दिया।यह सवाल सीधा है: अगर शुरू से ही बराबर बढ़ोतरी करनी थी, तो बिल में यह बात साफ क्यों नहीं लिखी गई? बिल में कहा गया था कि सीटों का बंटवारा 2011 की जनगणना के आधार पर होगा। इससे दक्षिण, पूर्व और पूर्वोत्तर राज्यों की सीटें कम हो सकती थीं, क्योंकि वहां जनसंख्या धीमी बढ़ी है, जबकि हिंदी पट्टी में ज्यादा बढ़ी है। अब 2026-27 की नई जनगणना अभी पूरी भी नहीं हुई है, तो फिर इतना बड़ा और विवादित संविधान संशोधन जल्दी में क्यों लाया गया? इसके अलावा, महिला आरक्षण पर सभी दल सहमत हैं, फिर भी इसे परिसीमन से जोड़ने की कोई जरूरत नहीं थी। इस तरह के तरीके से काम करने से लगता है कि विपक्ष को भ्रमित और बांटने की कोशिश की गई, जिससे संसदीय प्रक्रिया का मजाक बन गया। इसका श्रेय इंडिया ब्लॉक को जाता है कि उसने इस सुव्यवस्थित पागलपन के खिलाफ मतदान किया; अपने मतभेदों को परे रखकर, कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, वाम और डीएमके जैसे दलों ने सदन में समन्वय सुनिश्चित किया। इसके ठीक उलट, तेलुगु देशम पार्टी और एआईएडीएमके की नादानी पर ध्यान देना होगा, जिन्होंने विधेयक के मूलपाठ में विरोधाभासी कथन के बावजूद गृह मंत्री के मौखिक आश्वासनों के बूते विधेयक के पक्ष में बोला। विधेयक के प्रावधानों के तहत आंध्र प्रदेश पांच सीटें और तमिलनाडु 11 सीटें गंवाने वाला था। इस हार से सरकार को सीख लेनी चाहिए। अब उसे संवैधानिक रूप से बाध्यकारी रास्ते के जरिए महिला आरक्षण लागू करना होगा: साल 2026-27 की जनगणना पूरी करनी होगी, और सच्ची आम-सहमति के लिए परिसीमन और लोकसभा के विस्तार के मामले को संसदीय समिति के पास भेजना होगा। दो-तिहाई बहुमत का मानदंड इसीलिए है ताकि बिना व्यापक सहमति के दूरगामी प्रभाव वाले ढांचागत बदलावों को जबरन थोपे जाने से रोका जा सके और यह सुरक्षा-उपाय ही आज कारगर साबित हुआ। यह विधेयक का गिरना लोक तंत्र की जीत है।

थलापति की एंट्री से त्रिकोण में उलझी तमिल राजनीति

वेद विलास उनियाल

विजय थलापति यानी कमांडर के नाम से जाने जाते हैं। विजय को लेकर दोनों गठबंधनों में खींचतान रही। लेकिन विजय ने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। तमिलनाडु मे वह कितनी सीटें जीत पाए यह कयास ही लग सकता है लेकिन वह दोनों गठबंधनों मे किसी एक का समीकरण बिगाड़ने में सक्षम हैं। तमिलनाडु की जनता को 23 अप्रैल को जनादेश देना है। तमिलनाडु की परंपरागत सियासत से हटकर इस बार स्थिति में काफी असमंजस है। तमिलनाडु की राजनीति के दो बड़े ध्रुव डीएमके और अन्ना द्रमुक का आपसी संघर्ष इस बार अलग तरह के त्रिकोण में फंसा है। राज्य की राजनीति पर प्रभाव रखने वाले दोनों ही बड़े दलों के गठबंधन में छोटी पार्टियों के अदल-बदल की प्रक्रिया स्वाभाविक रूप से होती रही है। लेकिन इस बार के त्रिकोण में फिल्म से राजनीति में आए जोसेफ विजय चंद्रशेखर ने अपनी नई पार्टी टीवीके को सभी सीटों पर चुनाव लड़ाकर तमिल राजनीति को अलग आयाम दे दिया है। डीएमके के साथ इस समय कांग्रेस सहित 22 पार्टियां चुनाव मैदान में हैं। द्रमुक ने अन्ना द्रमुक के तपे तपाए नेता प्लानी स्वामी को अपने साथ जोड़कर पहला पासा फेंका है। डीएमके ने एआईडीएमके के दस साल पुराने शासन को समाप्त कर सत्ता हासिल की थी। उस समय प्लानीस्वामी ही राज्य के मुख्यमंत्री थे। अन्ना द्रमक की नेता जयललिता के निधन के बाद अन्ना द्रमुक के आंतरिक झगड़ों का लाभ द्रमुक ने भरपूर उठाया। विधानसभा चुनाव की शानदार सफलता को उसने लोकसभा में भी दोहराया। राज्य में अन्ना द्रमुक और सहयोगी बीजेपी कोई सीट हासिल नहीं कर सकी। स्टालिन ने प्रचार के परंपरागत तरीके बदले। केंद्र से भाषा और अधिकार की बात पर सीधा टकराव करके अपने को तमिल हितों का रक्षक बताने की कोशिश की। कलेग्नार मगलीर उरीमाई थिट्टम, महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा, सीएम ब्रेक फास्ट स्कीम, गैस सब्सिडी जैसी योजनाएं चलाकर उन्होंने जनता को साधने की कोशिश की। तमिल क्षेत्रीय भावनाओं को उभारने के लिए हिंदी विरोध के पुराने राग को छेड़ते हुए स्टालिन काफी आगे निकल गए। त्रिभाषा फार्मूले पर द्रमुक ने लोगों को जमकर उकसाने की कोशिश की। संकीर्ण राजनीतिक कारणों से हिंदी विरोध की जड़ों को जमकर सींचा गया। द्रमुक अहसास कराती रही है कि बीजेपी बाहरी पार्टी है। द्रमुक के लिए इस बार के चुनाव कई मायनों में

आसान नहीं हैं। स्टालिन द्वारा अपने बेटे उदयनिधि को डिप्टी सीएम बनाने और सियासत में उभारने की कोशिशों के चलते पार्टी में छिपा आंतरिक विरोध दिखता है। द्रमुक सरकार के कई मंत्री भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरे रहे हैं। सत्ता विरोधी माहौल में नशीले पदार्थ का मुद्दा आग में घी का काम कर रहा है। कांग्रेस की राज्य में 1967 के बाद से अपनी सरकार नहीं बन सकी। भक्तवत्सलम राज्य के आखिरी कांग्रेसी मुख्यमंत्री थे। अन्ना दुरई के नेतृत्व में डीएमके ने कांग्रेस को पराजित किया था। इसके बाद तमिलनाडु में राष्ट्रीय पार्टियां उभर नहीं पाईं। इस दौर में कांग्रेस द्रमुक के साथ मिलकर चुनाव तो लड़ती है लेकिन द्रमुक सत्ता में उसकी भागेदारी नहीं होने देता। द्रमुक और कांग्रेस के बीच इस बार का गठबंधन बहुत गर्मजोशी के साथ नहीं हुआ। लेकिन कांग्रेस को अहसास है कि लोकसभा में उसकी 99 सीटों में तमिलनाडु की नौ सीटों का अपना महत्व है। इसलिए कांग्रेस दक्षिण के इस प्रमुख राज्य में अन्ना द्रमुक और बीजेपी को आगे बढ़ने से रोकने के लिए द्रमुक का साथ देती है। तमिलनाडु में 234 सीटों में द्रमुक ने 164 सीटें अपने पास रखी है। कांग्रेस को पिछली बार से तीन ज्यादा 28 सीटें दी गई हैं। विजयकांत की पार्टी डीएमडीके को 10 सीटें दी गई हैं। सीपीआई और सीपीआईएम को पांच पांच सीटें दी गई हैं। लोकसभा चुनाव की तरह इस बार भी अन्ना द्रमुक और बीजेपी के बीच गठबंधन को लेकर लंबा मंथन हुआ। लेकिन जयललिता के निधन के बाद लगातार कमजोर हो रही अन्ना द्रमुक के लिए यह चुनाव काफी अहम है। अन्ना द्रमुक ने बीजेपी को 27 सीटें दी हैं। पीएमके 18 एएमएमके 11 टीएमसी एम कमल के चिन्ह पर पांच सीटों पर लड़ रही है। तमिलनाडु की दोनों पार्टियां द्रमुक और अन्ना द्रमुक द्रविड़ अस्मिता को लेकर एक लाइन रही हैं। गौरतलब है कि जयललिता के समय अन्ना द्रमुक के घोषणापत्र में राम मंदिर का जिक्र भी था। अन्ना द्रमुक द्रविड़ अस्मिता और गौरव की बात तो करती है लेकिन मुद्दों पर बहुत आक्रामक नहीं होती। वर्ष 2004 से पहले द्रमुक एनडीए का हिस्सा था। बीजेपी की सियासी भूल में इस बात को शामिल किया जाता है कि अगर द्रमुक को एनडीए से अलग नहीं किया होता तो बीजेपी की सरकार नहीं गिरती। बीजेपी की लुक साउथ नीति में तमिलनाडु में अपना प्रभाव धीरे-धीरे बढ़ाने की लक्ष्य है। बीजेपी ने दक्षिण भारत में अपना प्रभाव बढ़ाने के लिए काशी तमिल संगमम तमिल भाषा प्रचार जैसे कुछ चीजों पर फोकस किया। जोसेफ विजय चंद्रशेखर ने अपनी पार्टी तमिलगा वेत्री कड़गम यानी टीवीके के सभी 239 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। वह स्वयं पेरंबूर और तिरुचिपल्ली दो सीटों पर लड़ रहे हैं। टीवीके ने 27 टिकट महिलाओं को दिए हैं। विजय थलापति यानी कमांडर के नाम से जाने जाते हैं। विजय को लेकर दोनों गठबंधनों में खींचतान रही। लेकिन विजय ने अकेले ही चुनाव लड़ने का फैसला किया। तमिलनाडु मे वह कितनी सीटें जीत पाए यह कयास ही लग सकता है लेकिन वह दोनों गठबंधनों मे किसी एक का समीकरण बिगाड़ने में सक्षम हैं। राज्य में सत्ता के विरोध का जो माहौल है उसमें मतदाता उन्हें विकल्प देखता है तो एनडीए के लिए मुश्किल होगी।

भारत का आदर्श नहीं हो सकता अमरीका का मॉडल

जगदीश रत्तनानी

ऑक्सफैम की इसी माह जारी एक रिपोर्ट ने दुनिया के अति-धनी वर्ग की ओर से टैक्स हैवन देशों में छिपाकर रखी गई बेहिसाब संपत्ति की ओर ध्यान आकर्षित किया है। रिपोर्ट में सरकारों से कर प्रणालियों को मजबूत करने, वित्तीय पारदर्शिता बढ़ाने और ग्लोबल एसेट रजिस्टर बनाने का आह्वान किया गया है, ताकि सबसे अमीर व्यक्तियों की संपत्तियों को पहचान कर उन पर उच्च दर से कर लगाया जा सके। ब्रिटेन की इस संस्था के अनुसार, दुनिया के शीर्ष 0.1 प्रतिशत अमीरों की ओर से विदेशों में छिपाकर रखी गई अघोषित संपत्ति, सबसे गरीब आधी आबादी यानी लगभग 4.1 अरब लोगों की कुल संपत्ति से भी अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार, 'पनामा पेपर्स' लीक के दस साल बाद भी अति-धनी वर्ग कर चोरी के लिए विदेशी प्रणालियों का दुरुपयोग कर रहा है। वर्ष 2024 में इस छिपाई गई दौलत का अनुमान 3.5 ट्रिलियन डॉलर लगाया गया है, जो फ्रांस की जीडीपी से भी अधिक और दुनिया के 44 सबसे कम विकसित देशों की संयुक्त जीडीपी के दोगुने से ज्यादा और भारत की जीडीपी का लगभग 85 प्रतिशत है। आंकड़ों की यह भयावह तस्वीर बताती है कि कैसे मुट्ठी भर अमीर अपार शक्ति और नियंत्रण का उपयोग कर रहे हैं। धन का यह अभूतपूर्व संकेंद्रण न केवल असमानता

को जन्म देता है, बल्कि समाज को भी छिन्न-भिन्न कर रहा है। यह आर्थिक असमानता सशस्त्र संघर्षों, अत्याचारों और यहां तक कि नरसंहारों को भी वित्तपोषित करती है- जैसा कि हम वैश्विक सैन्य टकरावों में देख रहे हैं। यह युद्ध तंत्र ऐसे 'डिजिटल-मिलिट्री-इंडस्ट्रियल कॉम्प्लेक्स' को खाद-पानी देता है, जो रिमोट से चलने वाले 'पुश-बटन' युद्धों के माध्यम से मुनाफा कमाता है, जिसमें अनगिनत निर्दोष नागरिक मारे जाते हैं। सीमाओं के पार फैलने वाली यह हिंसा, देशों के भीतर भी असमानता के रूप में दिखाई देती है, जो अवसरों को सीमित करती है, औसत आयु को घटाती है और गरीबों, महिलाओं तथा वंचित समूहों पर सर्वाधिक प्रभाव डालती है। इसी तरह, आर्थिक प्रतिबंध युद्ध से भी बदतर त्रासदी लाते हैं, 'लैंसेट' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एकतरफा आर्थिक प्रतिबंधों के कारण दुनियाभर में हर साल लगभग 5,64,000 अतिरिक्त मौतों का कारण बनती है। ऑक्सफैम की यह रिपोर्ट वैश्विक चेतना को झकझोरने वाली है और भारत के लिए इसके विशेष मायने हैं, जहां हाल के वर्षों में एक नया अति-धनी वर्ग पैदा हुआ है। जब देश दुनिया की चौथी से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब इस तरह की चेतावनियों को नजरअंदाज किया जाना विडंबनापूर्ण होगा। अमरीकी आख्यानों का अनुसरण करना और शेयरधारक पूंजीवाद की नकल करना भारतीय लोकाचार और 'वसुधैव कुटुंबकम' के मूल्यों के अनुरूप नहीं है। इससे उसी तरह संसाधनों की लूट बढ़ेगी और वही विसंगतियां पैदा होंगी, जो आज अमरीका में दिख रही हैं। ऑक्सफैम की यह रिपोर्ट विफल होती वैश्विक व्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने में आती दरार और हिंसा के उभरते खतरे को दिखाती है। जब न्याय और समानता जैसे नैतिक मूल्यों की अनदेखी होती है और लालच को प्रोत्साहन मिलता है, तो उसके व्यावहारिक दुष्परिणाम भी सामने आते हैं। अमरीका और इजरायल के साथ भारत की बढ़ती कूटनीतिक नजदीकी को सिर्फ रणनीतिक साझेदारी के चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। इसमें अमरीकी विचारधारा के उस जाल में फंसने का भी जोखिम है, जिसकी अपनी कोई स्थायी मित्रता नहीं, केवल स्वार्थ हैं। भारत का मॉडल अमरीका का वह विफल मॉडल नहीं हो सकता, जहां भीतर ढांचागत हिंसा है और बाहर सैन्य आक्रामकता।

आज भारत में भी हर क्षेत्र में असमानता के संकेत दिख रहे हैं : अस्पतालों पर कब्जा करती निजी इक्विटी से लेकर वातानुकूलित स्कूलों की आसमान छूती फीस तक और लाखों का टर्नओवर करने वाले ऐप्स के लिए कम मजदूरी पर काम करने वाले बेरोजगार युवाओं से लेकर सरकारी अस्पतालों व बसों की बदहाली तक यह जाहिर है। 1991 के आर्थिक सुधारों के बाद समाजवादी ढांचे से बाजार अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ा। भारत अब हर चीज की खरीद-फरोख्त वाले एक 'बाजार समाज' बनने की ओर बढ़ रहा है। हार्वर्ड के प्रो. माइकल सैंडल के अनुसार, बाजार अर्थव्यवस्था उत्पादन को संगठित करने का साधन है, जबकि बाजार समाज वह है जहां हर चीज की कीमत तय हो जाती है। यह भारत की नियति नहीं हो सकती। यहां 'अर्थ' से पहले 'धर्म' का स्थान है और यही संतुलन हमें बनाए रखना होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार (द बिलियन प्रेस हैं)

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, वि. बुच्ची बाबू, द्वारा तनमाई प्रिंट्स, 17-1-469/ए/42/23, आदर्शनगर, सैदाबाद हैदराबाद से मुद्रित, " आकाश ज्योति " हिंदी दैनिक 17-1-469/ए/42/23, आदर्शनगर के निकट यूनिक ग्रामर स्कूल, सैदाबाद, हैदराबाद-500059 (टी.एस) से प्रकाशित R.N.I. No. APHIN/2000/4452, मुख्य संपादक वि. बुच्चि बाबु Ph. No. 24075688, Fax : 91-040-24075688. E-Mail: info.southindiatimes@gmail.com. .Contact :9000657700.

बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।
सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें

ड्राई स्किन, हेयर और आई

हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और आंखों में रूखापन कर सकती है।

नाखून हो जाएंगे कमजोर

नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल

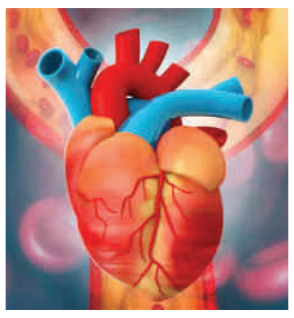

ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डैमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती हैं।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सैल्मन, मैक्रेल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।

गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियो की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिजम का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- ढुड्डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

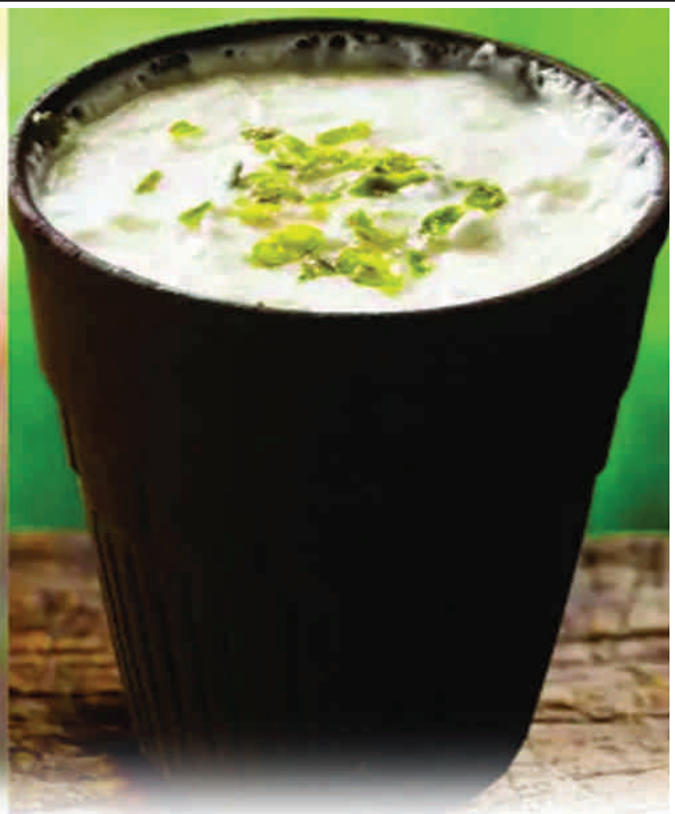

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है। गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।
गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सप्रेशन की फाउंडर और न्यूट्रिशनिस्ट पारुल के अनुसार, गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलाव यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साब्जा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटैशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तव जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।

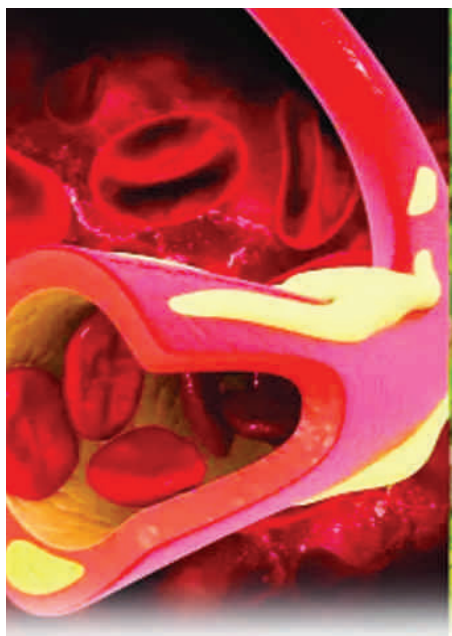

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है। आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है।
कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदा पदार्थ बाहर निकल सके और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

अंगूर

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब

सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है. सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लाल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर फरूट है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।

स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधूरी है। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें क्यूर्सेटिन, एस्ट्रागालिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइर्टिक एसिड, टरटैरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए है फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद भूख कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।

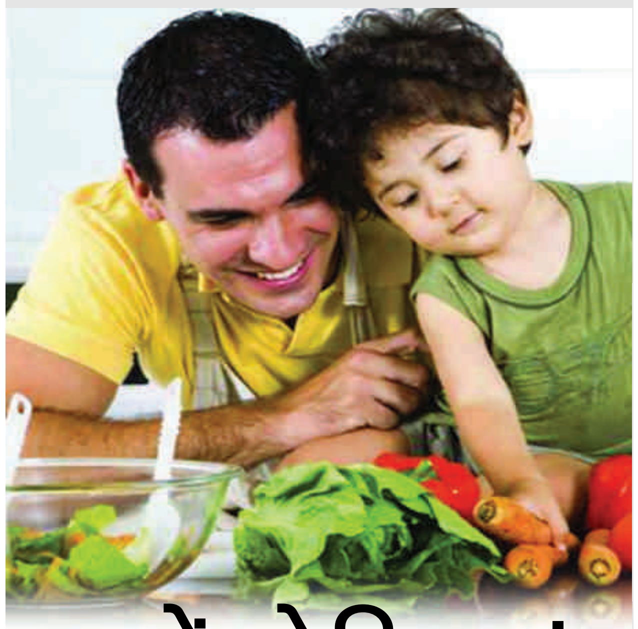

बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरों को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा।

सभी साथ बैठकर खाएं

एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खानाज जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बननी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खत्म करने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें भूख के अनुसार खाना सिखाएं।

चावल, चीनी, दालों के भाव टूटे, गेहूं मजबूत, खाद्य तेलों में घट-बढ़

एजेंसी
नई दिल्ली। घरेलू थोक जिंस बाजारों में गुरुवार को चावल का औसत भाव गिर गया। चावल के साथ चीनी और दालों में भी नरमी देखी गयी। गेहूं में तेजी का रुख रहा, जबकि खाद्य तेलों के दामों में घट-बढ़ रही। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 75 रुपये टूटकर 3,768 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं पांच रुपये महंगा हुआ और 2,779 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत 17 रुपये गिर गयी। दाल-दलहनों में नरमी रही। उड़द दाल 54 रुपये प्रति क्विंटल सस्ती हुई। तुअर दाल की कीमत 49 रुपये और मसूर दाल की 47 रुपये टूट गयी। मूंग दाल 43 रुपये और चना दाल 19 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 49 रिंगिट गिरकर 4,579 रिंगिट प्रति टन रह गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा भी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 70.85 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में पाम ऑयल की औसत कीमत 189 रुपये और सूरजमुखी तेल की 116 रुपये प्रति क्विंटल फिसल गयी। मूंगफली तेल 99 रुपये और वनस्पति 85 रुपये सस्ता हुआ। सरसों तेल में 49 रुपये की गिरावट रही। वहीं, सोया तेल 17 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 40 रुपये प्रति क्विंटल घट गया। चीनी भी तीन रुपये सस्ती हुई।

होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजों की आवाजाही रुकी, वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी

एजेंसी
नई दिल्ली। ईरान द्वारा दो जहाजों को जब्त करने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही ठप्प हो गई है, जिनमें एक गुजरात के कांडला बंदरगाह जा रहा था। इससे तेल और गैस की सप्लाई को लेकर अनिश्चितता बढ़ गई है, क्योंकि दुनिया के करीब 20 प्रतिशत ऊर्जा निर्यात इसी रास्ते से गुजरते हैं। इसका असर तेल की कीमतों पर दिखा, जहां ब्रेंट क्रूड 103 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर पहुंच गया। भारत अपनी एलपीजी का बड़ा हिस्सा और करीब 50 प्रतिशत कच्चा तेल फारस की खाड़ी से आयात करता है। होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से इस पर असर पड़ा है। हालांकि, सरकार आयात के स्रोतों में विविधता ला रही है और एलपीजी का घरेलू उत्पादन बढ़ा रही है। कुछ उपभोक्ता अब प्राकृतिक गैस, कोयला और इलेक्ट्रिक कुकटॉप जैसे विकल्पों की ओर भी बढ़ रहे हैं।

अमेरिका के साथ बातचीत में

ईरान के मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका और इजरायल द्वारा युद्धविराम के उल्लंघन के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना 'संभव नहीं' है। उन्होंने एक्स (ट्विटर) पर कहा कि इन उल्लंघनों में ईरानी बंदरगाहों की अमेरिकी नौसैनिक नाकेबंदी और इजरायल की आक्रामक गतिविधियां शामिल हैं। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने कहा कि ईरान बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन समझौतों का उल्लंघन, नाकेबंदी और धमकियां असली बातचीत में बाधा हैं।

इस बीच, भारतीय झंडे वाला तेल टैंकर 'देश गरिमा' बुधवार को सुरक्षित रूप से मुंबई पहुंच गया। यह जहाज 97,000 मीट्रिक टन से अधिक कच्चा तेल और 31 भारतीय क्रू मेंबर के साथ होर्मुज जलडमरूमध्य पार करके आया, जिसे भारतीय नौसेना ने सुरक्षा दी। सरकार ने यह भी साफ किया कि 'इंडियन सनमार हेराल्ड' जहाज के कप्तान द्वारा कोई टोल चुकाने की खबर गलत है।

मध्य पूर्व संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं, लेकिन भारत सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क 10 रुपए प्रति लीटर घटा दिया है, ताकि आम लोगों पर बोझ न पड़े। देश भर में पेट्रोल पंप सामान्य रूप से काम कर रहे हैं और कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका-ईरान युद्धविराम को आगे बढ़ाने की घोषणा की है, जो बुधवार को खत्म होने वाला था। हालांकि, ईरान के बंदरगाहों पर अमेरिकी नाकेबंदी जारी है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लीविट ने कहा कि यह युद्धविराम अब अनिश्चित समय तक बढ़ाया गया है और इसकी कोई नई समय-सीमा तय नहीं की गई है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप ईरान के खिलाफ जारी नौसैनिक नाकेबंदी से संतुष्ट हैं और आगे युद्ध कब खत्म होगा, इसका फैसला अमेरिका के हितों के अनुसार किया जाएगा।

अमेजन अपने एसोसिएट्स की सुरक्षा, स्वास्थ्य पर खर्च करेगा 2,800 करोड़

एजेंसी
बेंगलुरु। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अमेजन ने भारत में उसके साथ काम करने वाले एसोसिएट्स की सुरक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक स्थिति की मजबूती के लिए 2,800 करोड़ रुपये (30 करोड़ डॉलर) के निवेश की घोषणा की है। कंपनी ने गुरुवार को प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि यह साल 2030 तक 35 अरब डॉलर की उसकी निवेश योजना का हिस्सा है जिसके तहत वह कारोबार का विस्तार करने के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित डिजिटाइजेशन, निर्यात में वृद्धि और रोजगार सृजन पर फोकस करेगी। इस दौरान उसके मुख्य कारोबार के साथ क्विक कॉमर्स नेटवर्क का विस्तार भी जारी रहेगा ताकि लोगों तक सामान जल्दी से जल्दी पहुंच सके। अमेजन ने पिछले साल भारत में दो हजार करोड़ रुपये (23.3 करोड़ डॉलर) का निवेश किया था और देश में 17 नये फुलफिलमेंट सेंटर, छः सॉर्टेशन सेंटर और 75 लास्ट-माइल डिलीवरी स्टेशन खोले थे। पिछले साल ही उसने अपनी क्विक कॉमर्स पेशकश एमेज़ॉन नाउ शुरू की थी, जिसके बाद मुख्य शहरों में सुरक्षित और तेज डिलीवरी सुनिश्चित की जा रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए अमेजन के उपाध्यक्ष (ऑपरेशंस) अभिनव सिंह ने कहा, 'हमारे नेटवर्क को हमारे लोग चलाते हैं। इसलिए हम अपने एसोसिएट्स की सुरक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक उन्नति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम आधुनिक प्रौद्योगिकी में भी निवेश करेंगे, ताकि हमारे ग्राहकों तक ज्यादा तेज, सुरक्षित और विश्वसनीय डिलीवरी पहुंचाई जा सके।' विज्ञप्ति में बताया गया है कि एआई और मशीन लर्निंग की मदद से परिचालन नेटवर्क को ज्यादा सुरक्षित और दक्ष बनाया जायेगा। ऑन-रोड सुरक्षा में सुधार लाने के लिए उपकरण तैनात किये जायेंगे जो डिलीवरी सर्विस पार्टनर्स और डिलीवरी एसोसिएट्स को असुरक्षित ड्राइविंग पर अलर्ट जारी करेंगे।

केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए बड़ी खुशखबरी: सरकार ने महंगाई भत्ता बढ़ाकर किया 60 प्रतिशत

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को बड़ी राहत देते हुए महंगाई भत्ते (DA) और महंगाई राहत (DR) में 2फीसदी की वृद्धि करने का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग द्वारा जारी कार्यालय ज्ञापन के अनुसार, अब महंगाई भत्ते की दर मूल वेतन के 58फीसदी से बढ़कर 60फीसदी हो गई है। यह नई दरें 1 जनवरी, 2026 से प्रभावी मानी जाएंगी, जिसका सीधा लाभ लगभग 50 लाख सेवारत कर्मचारियों और 68 लाख पेंशनभोगियों को मिलेगा। सरकार के इस फैसले से न केवल कर्मचारियों की मासिक आय में इजाफा होगा, बल्कि उनकी क्रय शक्ति भी मजबूत होगी। महंगाई भत्ते में हुई इस बढ़ोतरी का सबसे बड़ा फायदा एरियर के रूप में देखने को मिलेगा। चूंकि यह आदेश जनवरी से लागू किया गया है, इसलिए कर्मचारियों को पिछले चार महीनों (जनवरी, फरवरी, मार्च और अप्रैल) का बकाया पैसा उनकी अगली सैलरी में जुड़कर मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, 18,000 रुपये मूल वेतन वाले कर्मचारी की मासिक आय में 360 रुपये की वृद्धि होगी और उन्हें एकमुश्त एरियर के रूप में बड़ी राशि प्राप्त होगी। उच्च वेतन श्रेणी (लेवल-10) के अधिकारियों के वेतन में भी 1,122 रुपये प्रति माह से अधिक की बढ़ोतरी दर्ज की जाएगी, जिससे उनके बैंक खातों में भारी-भरकम राशि आएगी।

पीयूष गोयल ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के मंत्री से बातचीत की, आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने पर हुई चर्चा

एजेंसी
नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल सईद से वर्चुअल बातचीत की। इस दौरान दोनों देशों के नेताओं ने व्यापार और आपूर्ति श्रृंखलाओं को मजबूत बनाने पर फोकस किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा, 'कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री डॉ. अहमद बिन मोहम्मद अल सैयद के साथ एक सार्थक वर्चुअल वार्ता आयोजित की गई। हमने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और मजबूत करने के साथ-साथ आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। हम आने वाले समय में अपनी रणनीतिक साझेदारी को और गहरा करने के लिए तैयार हैं। ' गोयल की ओर यह बातचीत ऐसे समय पर की गई है, जब अमेरिका-ईरान में तनाव के कारण हॉर्मुज स्ट्रेट से आवाजाही पूरी तरह से बंद है और इससे बड़े स्तर पर आपूर्ति श्रृंखलाओं

में व्यवधान पैदा हुआ है। इसके कारण कतर समेत कई खाड़ी देश अपने पेट्रोलियम और अन्य उत्पादों का निर्यात नहीं कर पा रहे हैं। दुनिया में होने वाले कुल तेल और प्राकृतिक गैस के व्यापार का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा हॉर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है। हाल ही में इस पर ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि मौजूदा हालात में होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा नहीं खोला जाएगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका की ओर से होर्मुज स्ट्रेट को ब्लॉक कर दिया गया है। यह सीजफायर का उल्लंघन है। इससे ईरानी बंदरगाहों को निशाना बनाया जा रहा है। आगे कहा कि पूर्ण सीजफायर तभी संभव है, जब अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट के ब्लॉक को समाप्त कर देता है। अमेरिका की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर कहा, 'ईरान के खिलाफ अमेरिकी नाकाबंदी के तहत अमेरिकी सेना ने 31 जहाजों को वापस मुड़ने या बंदरगाह पर लौटने का निर्देश दिया है। '

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

एजेंसी
नई दिल्ली। सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में आज लगातार चौथे दिन कमजोरी नजर आ रही है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं 22 कैरेट सोना आज 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी बुधवार के भाव 2,64,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बिक रही है। दिल्ली में आज 24 कैरेट सोना 1,54,890 प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,55,450 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42, 490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,54,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,41,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,54,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,990 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में गिरावट का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,54,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और एलियांज प्राथमिक बीमा में बनायेंगे संयुक्त उद्यम

मुंबई/म्यूनिख। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) और एलियांज ग्रुप ने प्राथमिक बीमा क्षेत्र में बराबर हिस्सेदारी वाले संयुक्त उपक्रम की स्थापना की घोषणा की।जियो फाइनेंशियल सर्विसेज की प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया है कि एलियांज ग्रुप ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी एलियांज यूरोप के माध्यम से संयुक्त उपक्रम बनाने के लिए आज एक बाध्यकारी समझौता किया है जो सामान्य और स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में काम करेगा। इसमें दोनों कंपनियों की 50-50 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। यह समझौता जुलाई 2025 में घोषित साझेदारी को औपचारिक रूप प्रदान करता है। भारत के ग्राहक जेएफएसएल की व्यापक डिजिटल पहुंच और भारतीय बाजार की गहरी समझ के साथ-साथ एलियांज के उच्च गुणवत्ता वाले बीमा उत्पादों और सेवाओं का लाभ उठाएंगे। इस संयुक्त उद्यम को अभी नियामकीय मंजूरियां मिलनी शेष हैं। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज और एलियांज देश में जीवन बीमा व्यवसाय के लिए एक अलग बाध्यकारी समझौते की दिशा में भी प्रयासरत हैं। इस समझौते पर प्रतिक्रिया देते हुए रिलायंस समूह के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक मुकेश अंबानी ने कहा, 'बीमा केवल एक उत्पाद नहीं है, बल्कि वह ऐसा आधार है जिस पर परिवार आत्मविश्वास के साथ अपना भविष्य बनाते हैं और बिना भय के अपने सपनों का पीछा कर सकते हैं।

रुपये में गिरावट जारी, 34 पैसे टूटा

मुंबई। अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया 34.50 पैसे टूट गया और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 93.7850 रुपये का बोला गया। पिछले कारोबारी दिवस पर रुपया 28 पैसे गिरकर 93.44 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। रुपये पर आज शुरू से ही दबाव रहा। यह 25 पैसे टूटकर 93.69 रुपये प्रति डॉलर पर खुला। दिन भर यह 93.6750 रुपये और 93.87 रुपये प्रति डॉलर के बीच रहा। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम दो प्रतिशत से अधिक बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया। इससे भारतीय मुद्रा पर दबाव रहा। साथ ही बैंकों की तरफ से डॉलर की मांग बढ़ने से भी रुपया कमजोर हुआ।

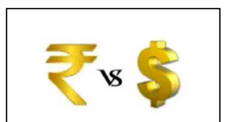

एक महीने में दूसरी बार एचएसबीसी ने इंडियन इक्विटीज की रेटिंग घटाई

एजेंसी
नई दिल्ली। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म एचएसबीसी ने एक बार फिर इंडियन इक्विटीज की रेटिंग को घटा कर घरेलू शेयर बाजार और उसके निवेशकों को बड़ा झटका दिया है। ब्रोकरेज फर्म ने इंडियन इक्विटीज की रेटिंग को न्यूट्रल से घटा कर अंडरवेट कर दिया है। एक महीने से भी कम अवधि में एचएसबीसी ने दूसरी बार इंडियन इक्विटीज की रेटिंग घटाई है। इसके पहले 31 मार्च को इंडियन इक्विटीज की रेटिंग ओवरवेट से घटा कर न्यूट्रल की गई थी और अब इसे न्यूट्रल से अंडरवेट कर दिया गया है। एचएसबीसी का कहना है कि पश्चिम एशिया में बने तनाव के हालात और उसकी वजह से कच्चे तेल की कीमत में लगातार आ रही तेजी से महंगाई बढ़ने का खतरा बढ़ गया है। ब्रोकरेज फर्म की और से जारी किए गए एक नोट में कहा गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच चल रही जंग की वजह से पेट्रोलियम उत्पादों की तेजी से बढ़ रही कीमत भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ी चुनौती बन सकती है।

अमेरिका और इजरायल तथा ईरान के बीच 28 फरवरी को जंग की शुरुआत हुई थी। इस जंग की

वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में 40 प्रतिशत से भी अधिक की तेजी आ चुकी है। ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर कारोबार कर रहा है। कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी के कारण भारत जैसे उन तमाम देशों में महंगाई बढ़ने का खतरा बन गया है जो अपनी जरूरत पूरा करने के लिए आयत का सहारा लेते हैं।

एचएसबीसी के नोट में यह भी कहा गया है कि अमेरिका और ईरान के बीच जारी जंग की वजह से भारत में उत्तर पूर्वी एशियाई देशों की तुलना में निवेश के लिए आकर्षण कम हो गया है। इसी वजह से जंग शुरू होने के बाद से लेकर अभी तक निफ्टी 6.7 प्रतिशत और सेंसेक्स 7.9 प्रतिशत तक की गिरावट का शिकार होकर दुनिया में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाले बाजार की सूची में शामिल हो चुके हैं।

ब्रोकरेज फर्म ने घरेलू बाजार में गिरावट की चर्चा करते हुए विदेशी निवेशकों की चिंता का भी जिक्र किया है। इसमें भारतीय मुद्रा रुपये की कीमत में आ रही गिरावट का उल्लेख भी किया गया है। नोट में कहा गया है कि अगर भारतीय सॉफ्टवेयर सर्विसेज पर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के असर से होने वाले नकारात्मक असर में इजाफा होता है और अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत ऊंचे स्तर पर बनी रहती है, तो भारतीय मुद्रा में और अधिक गिरावट का होने की आशंका जताई जा सकती है। इसी वजह से विदेशी निवेशक इस साल लगातार भारतीय शेयर बाजार में बिकवाली कर अपना पैसा निकालने में लगे हुए हैं। 2026 में अभी तक विदेशी निवेशक 18.5 अरब डॉलर के भारतीय शेयर बेच चुके हैं। एचएसबीसी का अनुमान है कि जून और सितंबर की तिमाही में भी ज्यादातर समय कच्चे तेल और गैस की तंगी बनी रहेगी। इस वजह से भारत के अर्निंग ग्रोथ में 1.5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ब्रोकरेज फर्म का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बाद बनी परिस्थितियों में डोमेस्टिक इक्विटी वैल्युएशंस भी अपने ऊपरी स्तर से नीचे गिर चुके हैं। हालांकि, जैसे-जैसे कमाई के अनुमानों में कटौती की खबर सामने आएगी, वैसे-वैसे इक्विटी वैल्युएशंस की स्थिति में भी परिवर्तन होगा।

जापान के रक्षा निर्यात नियमों में बदलाव का भारत ने किया स्वागत

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत ने जापान की ओर से घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध में ढील देने के फैसले का स्वागत किया है। भारत ने इसे रक्षा और सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने वाला कदम बताया। दोनों देशों के बीच विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी में रक्षा सहयोग एक अहम स्तंभ माना जाता है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत, जापान द्वारा रक्षा उपकरण और प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण से जुड़े तीन सिद्धांतों की समीक्षा का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि भारत-जापान संयुक्त सुरक्षा सहयोग घोषणा के तहत दोनों देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और आर्थिक गतिशीलता के हित में व्यावहारिक सहयोग बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसमें सरकारी संस्थाओं और निजी क्षेत्र के बीच तकनीकी और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना शामिल है, ताकि महत्वपूर्ण क्षेत्रों में लचीलापन सुनिश्चित किया जा सके। उल्लेखनीय है कि जापान ने मंगलवार को घातक हथियारों के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाने का समर्थन किया, जो देश की युद्धोत्तर शांतिवादी नीति में एक बड़ा बदलाव है क्योंकि देश अपने हथियार उद्योग को मजबूत करना चाहता है और रक्षा भागीदारों के साथ सहयोग को गहरा करना चाहता है।

सब्सक्रिप्शन के लिए खुला लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का आईपीओ, 30 अप्रैल को हो सकती है लिस्टिंग

एजेंसी
नई दिल्ली। इंजीनियरिंग सर्विस प्रोवाइडर कंपनी लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड का 88.51 करोड़ रुपये का आईपीओ आज सब्सक्रिप्शन के लिए लॉन्च कर दिया गया। इस आईपीओ में 27 अप्रैल तक बोली लगाई जा सकती है। इश्यू की क्लोजिंग के बाद 28 अप्रैल को शेयरों का अलॉटमेंट किया जाएगा, जबकि 29 अप्रैल को अलॉटेड शेयर डीमैट अकाउंट में क्रेडिट कर दिए जाएंगे। कंपनी के शेयर 30 अप्रैल को बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हो सकते हैं। इस आईपीओ में बोली लगाने के लिए 21 रुपये से लेकर 23 रुपये प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया गया है, जबकि लॉट साइज 6,000 शेयर का है। इस आईपीओ में रिटेल इनवेस्टर्स को एक लॉट यानी 6,000 शेयरों के लिए बोली लगाना होगा, जिसके लिए उन्हें 1,38,000 रुपये का निवेश करना होगा। इस आईपीओ के तहत 1 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 3,84,84,000 शेयर जारी हो रहे हैं। इनमें लगभग 75 करोड़ रुपये के 3,26,82,000 नए शेयर और लगभग नौ करोड़ रुपये के 38,76,000 शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे जा रहे हैं। इसके अलावा 19,26,000 नए शेयर मार्केट मेकर के लिए रिजर्व रखे गए हैं।

इस आईपीओ में क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए सिर्फ 4.75 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इसके अलावा रिटेल इनवेस्टर्स के लिए 47.55 प्रतिशत हिस्सा और नॉन इंस्टीट्यूशनल इनवेस्टर्स (एनआईआई) के लिए 42.70 प्रतिशत हिस्सा रिजर्व है। इसके अलावा मार्केट मेकर के लिए पांच प्रतिशत हिस्सा रिजर्व किया गया है। इस इश्यू के लिए फिनशोर मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड को बुक रनिंग लीड मैनेजर बनाया गया है, जबकि इंटिग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड को रजिस्ट्रार बनाया गया है। वहीं अनंत सिक्योरिटीज कंपनी का मार्केट मेकर है। लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत मामूली उतार चढ़ाव के बावजूद मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 28 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 16.39 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में मामूली गिरावट के साथ 16.22 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 के पहले नौ महीने में यानी अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 14.18 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव के बावजूद बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 105.38 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 162.88 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में घट कर 137.37 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

देहरादून में केंद्र सरकार 716 करोड़ की लागत से बना रही 12 किमी लंबा बाईपास

एजेंसी
नई दिल्ली । देहरादून शहर के भीतर से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण होने वाले भीषण ट्रैफिक जाम और प्रदूषण से जल्दी ही लोगों को राहत मिलने वाली है। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) 716 करोड़ रुपये की लागत से 12 किलोमीटर लंबा ग्रीनफील्ड चार लेन बाईपास बना रहा है। इस परियोजना का 44 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और इसे अप्रैल 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य है। केंद्रीय संचार मंत्रालय ने बताया कि दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे पर बन रहा यह बाईपास झाझरा से शुरू होकर पांवटा साहिब-बल्लूपुर खंड (एनएच-7) से जुड़ते हुए अशारोरी चेक पोस्ट तक जाएगा। इसके बनने से देहरादून शहर के भीतर से गुजरने वाले गैर-गंतव्य यातायात को बाहर की ओर मोड़ा जा सकेगा। इससे प्रदूषण और जाम की समस्या में कमी आएगी और शहरी गतिशीलता बेहतर होगी। परियोजना को पर्यावरणीय दृष्टि से भी संवेदनशील बनाया गया है। राजमार्ग की चौड़ाई सामान्य 60 मीटर के बजाय 30 मीटर रखी गई है ताकि जंगलों में पेड़ों को संरक्षित किया जा सके। वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए 350 मीटर लंबा व्हीक्युलर ओवर पास, जानवरों के निकलने का ऊपर से रास्ता, सात छोटे पुल, 21 बॉक्स कल्वर्ट और पाँच ह्यूम पाइप कल्वर्ट बनाए जा रहे हैं। पूरे मार्ग पर फेंसिंग और वन्यजीव क्षेत्र के संकेतक लगाए जा रहे हैं ताकि मानव-वन्यजीव संघर्ष कम हो। मंत्रालय ने

बताया कि परियोजना पूरी होने पर देहरादून के निवासियों को भारी और ट्रांजिट यातायात से राहत मिलेगी। साथ ही मसूरी जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुंच आसान होगी, जिससे पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

देश से 2025-26 में कपड़ा निर्यात 2.1 प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी
नई दिल्ली। देश के वस्त्र उद्योग ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान वैश्विक बाजारों में मजबूत प्रदर्शन जारी रखा और हस्तशिल्प सहित कुल वस्त्र निर्यात 3,16,334.9 करोड़ रुपये हो गया जो की सालाना वृद्धि दर 2.1 प्रतिशत दर्शाता है। वित्त वर्ष 2024-25 में निर्यात 3,09,859.3 करोड़ रुपये था। कपड़ा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी देते हुए कहा यह प्रदर्शन भारतीय वस्त्र उत्पादों की स्थिर वैश्विक मांग और प्रमुख उत्पाद श्रेणियों में इस क्षेत्र की निरंतर प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है। वर्ष के दौरान कपड़ा निर्यात में रेडीमेड गारमेंट्स (आरएमजी) का सबसे बड़ा योगदान रहा । वर्ष के दौरान इसका आंकड़ा एक साल पहले के 1,35,427.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,39,349.6 करोड़ रुपये हो गया जो वार्षिक आधार पर 2.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। इसी दौरान सूती धागे, कपड़े, निर्मित वस्त्र और हथकरघा उत्पादों का निर्यात वित्त वर्ष 2025-26 में 1,02,399.7 करोड़ रुपये रहा, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 1,02,002.8 करोड़ रुपये। इस खंड में 0.4 प्रतिशत की हल्की वृद्धि देखी गई। मानव निर्मित धागे, कपड़े और निर्मित वस्त्रों में 3.6 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जिनका निर्यात एक साल पहले के 41,196.0 करोड़ रुपये से बढ़कर 42,687.8 करोड़ रुपये हो गया।

लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, निवेशकों को लगी 2.99 लाख करोड़ की चपत

एजेंसी
नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी तनाव को लेकर बनी अनिश्चितता, कमजोर वैश्विक संकेत और कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी ने घरेलू शेयर बाजार को आज लगातार दूसरे दिन गिरावट के साथ बंद होने के लिए मजबूर कर दिया। आज के कारोबार की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद कुछ देर तक खरीदारी का रुख भी बना, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक कायम नहीं रह सकी। सुबह 10 बजे के बाद बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की कमजोरी बढ़ती चली गई। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.09 प्रतिशत और निफ्टी 0.84 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, पीएसयू बैंक और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। इसके अलावा आईटी, एफएमसीजी, मेटल, ऑयल एंड गैस, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, मीडिया और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गुड्स और हेल्थकेयर इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण निफ्टी का मिडकैप इंडेक्स 0.41 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.67 प्रतिशत की गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब तीन लाख करोड़ रुपये की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 466.37 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 469.36 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.99 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिनभर के कारोबार में बीएसई में 4,449 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,762 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,517 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 170 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,965 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,031 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,934 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से पांच शेयर बढ़त के साथ और 25 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 17 शेयर हरे निशान में और 33 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 532.83 अंक की कमजोरी के साथ 77,983.66 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली के दबाव के कारण यह सूचकांक 823.43 अंक टूट कर 77,693.06 अंक के स्तर तक गिर गया। इसके बाद लिवालों ने खरीदारी का जोर बना दिया, जिससे सेंसेक्स की चाल में सुधार होने लगा। खरीदारी के सपोर्ट से सुबह 10 बजे के करीब यह सूचकांक ओपनिंग लेवल से 194.88 अंक की रिकवरी कर 78,178.54 अंक के स्तर तक आ गया। इसके बाद बाजार में एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन गया, जिससे इस सूचकांक की गिरावट बढ़ती चली गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक 942.31 अंक लुढ़क कर 77,574.18 अंक तक आ गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से करीब 90 अंक की रिकवरी कर 852.49 अंक की गिरावट के साथ 77,664 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 175.75 अंक फिसल कर 24,202.35 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की।

एक नजर

जहीर बोले, पहले टी20 टीम में जगह पक्की करने पर ध्यान दें श्रेयस

मुम्बई, 23 अप्रैल (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पंजाब किंग्स की कप्तानी कर रहे बल्लेबाज श्रेयस अय्यर के सितारे इस समय बुलंद हैं। उनका बल्ला जमकर चल रहा है। वहीं टीम लगातार जीत के साथ ही आईपीएल अंकतालिका में नंबर एक पर बनी हुई है। ऐसे में प्रशंसकों की ओर से ये मांग हो रही है कि श्रेयस को टी20 प्रारुप में भी भारतीय टीम की कप्तानी देनी चाहिये। हैं। वहीं पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज जहीर खान ने कहा है कि श्रेयस को फिलहाल कप्तानी के बारे में सोचने की जगह पर पहले भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की करने पर ध्यान देना चाहिए। जहीर के अनुसार, पहले टीम में जगह बनाना जरूरी है, कप्तानी अपने आप आ सकती है।

जहीर ने अय्यर को अपने व्यक्तिगत प्रदर्शन पर निरंतर ध्यान बनाए रखने की सलाह दी। उनके अनुसार, अगर अय्यर लगातार बेहतरीन प्रदर्शन करते रहते हैं और टीम में अपनी स्थिति को मजबूत करते हैं, तो भविष्य में कप्तानी के लिए वह एक स्वाभाविक और मजबूत दावेदार बन जाएंगे। इसका कारण है कि निरंतरता ही सफलता की कुंजी है और व्यक्तिगत प्रदर्शन का उच्च स्तर बनाए रखना किसी भी बड़े अवसर का मार्ग प्रशस्त करता है। जहीर ने इस युवा बल्लेबाज की सराहना करते हुए माना है कि उन्होंने अपनी टीम के लिए लगातार रन बनाए हैं और टीम की सफलता में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अय्यर ने पिछले सत्र में भी 600 से अधिक रन बनाये थे।

वहीं इस सत्र में अब तक के 6 मैचों में उन्होंने 200 से अधिक रन बनाये हैं1 अय्यर सिर्फ अपनी बल्लेबाजी के साथ हीकुशल कप्तानी से भी लगातार छाये हुए हैं। वह आईपीएल इतिहास के उन चुनिंदा कप्तानों में से एक हैं जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों को फाइनल तक पहुंचाया है। ऐसे में कई लोग उन्हें भविष्य के भारतीय कप्तान के रूप में भी देख रहे हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता का परिचायक है। हालांकि, यह राह आसान नहीं है, क्योंकि सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारतीय टीम ने हाल के दिनों में प्रभावशाली सफलताएं हासिल की हैं, जिससे टी20 प्रारूप में कप्तानी के लिए प्रतिस्पर्धा बेहद कड़ी हो गई है।

ईशान को ही कप्तान बनाये रखे सनराइजर्स : बांगर

नई दिल्ली , 23 अप्रैल (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर संजय बांगड़ ने कहा है कि ईशान किशन की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के इस 19 वें सत्र में अच्छा प्रदर्शन किया है। टीम शुरूआती झटकों के बाद लगातार तीन जीत के साथ ही अंकतालिका में भी शीर्ष पांच में है। ऐसे में नियमित कप्तान पैट कमिंस की वापसी के बाद भी ईशान को ही कप्तान बनाये रखा जाना चाहिये। ईशान ने अब तक 7 मैचों में कप्तानी की है, जिसमें उन्होंने 4 मैच जिताये हैं जिससे टीम अंकतालिका में तीसरे स्थान पर है। कप्तानी के बाद भी ईशान पर कोई दबाव नहीं आया है और उन्होंने जमकर रन बनाये हैं जिससे वह ऑरेंज कप की दौड़ में भी शीर्ष खिलाड़ियों में बने हुए हैं। बांगर ने कहा, एक नेता के तौर पर ईशान अपने गेंदबाजों का इस्तेमाल करने के मामले में तकनीकी रूप से बहुत अच्छे हैं। वह समझते हैं कि किस बल्लेबाज के खिलाफ किस गेंदबाज का इस्तेमाल करना है। यह साफ दिखाता है कि वह खेल की कितनी अच्छी समझ रखते हैं।

बांगड़ ने कहा, वह एक जगह स्थिर नहीं दिखते, जल्दबाजी में नहीं दिखते, मैदान पर सही फैसले ले रहे हैं।

उन्होंने दिल्ली के खिलाफ अपने स्पिनर्स का शानदार इस्तेमाल किया। इसलिए मेरा मानना है कि अगर कमिंस वापस भी आते हैं, तो भी ईशान को एसआरएच की कप्तानी जारी रखनी चाहिए क्योंक ज्यादातर मामलों में, एक भारतीय कप्तान होने से निरंतरता आती है।

चेन्नई ने मुंबई को 103 रनों से हराया

नई दिल्ली। संजू सैमसन के शतक के बाद चेन्नई के स्पिनरों के जाल में मुंबई इंडियंस फंस गई। मुंबई को अपने घर पर सीएसके के खिलाफ 103 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। चेन्नई ने मुकाबले को जीतकर सीजन की तीसरी जीत हासिल की है। चेन्नई के लिए संजू सैमसन ने कमाल की बैटिंग की और नाबाद 101 रनों की पारी खेली, जिसकी वजह से सीएसके ने 207 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया।

मुंबई की बल्लेबाजी मुकाबले में बुरी तरह से फ्लॉप रही और वो 104 रनों पर सिमट गई। इसी के साथ एमआई को सीजन की पांचवीं हार झेलनी पड़ी। ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी वाली टीम के लिए स्पिनरों ने कमाल की गेंदबाजी की। अकील हुसैन ने 4 विकेट लेकर मुंबई को बैकफुट पर धकेल दिया और अपनी टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। संजू सैमसन की शानदार शतकीय पारी ने दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। संजू ने 54 गेंद में 101 रन की अविजित पारी खेली और टीम को 207 रन के स्कोर तक पहुंचाया। संजू मुंबई इंडियंस के विरुद्ध शतक लगाने वाले सीएसके के पहले बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सीएसके का कोई भी बल्लेबाज मुंबई के विरुद्ध शतक नहीं लगा पाया था। संजू ने एक छोर संभाले रखा और टीम को मुश्किल हालात से उबारते हुए मजबूत स्थिति तक पहुंचाया। सैमसन की यह पारी ऐसे समय आई जब चेन्नई की बल्लेबाजी लगातार लड़खड़ा रही थी। खराब शॉट चयन और लय की कमी के कारण एक के बाद एक विकेट गिरते रहे, लेकिन भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ने धैर्य और समझदारी के साथ अपनी पारी को आगे बढ़ाया। उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार बल्लेबाजी करते हुए हर गेंद को उसकी मेरिट के आधार पर खेला और अंत तक नाबाद रहते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ और सैमसन ने पावरप्ले में तेजी से रन जोड़े और टीम को अच्छी शुरूआत दिलाई। हार्दिक पांड्या के शुरूआती ओवरों में दोनों बल्लेबाजों ने खुलकर रन बनाए, जिससे स्कोर तेजी से आगे बढ़ा। हालांकि गायकवाड़ (22) अच्छी शुरूआत के बावजूद बड़ी पारी में तब्दील नहीं कर सके और आउट हो गए। इसके बाद सरफराज खान (14) और शिवम दुबे (5) भी कुछ खास नहीं कर सके। मुंबई के गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में शानदार वापसी करते हुए चेन्नई की रन गति पर ब्रेक लगा दिया। खासतौर पर स्पिनरों ने दबाव बनाया, जिससे अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में असफल रहे। मध्यक्रम के ढहने के बावजूद सैमसन ने अपना संयम नहीं खोया। उन्होंने समझदारी से स्ट्राइक रोटेट की और मौके मिलने पर बड़े शॉट भी लगाए। उनकी पारी में 10 चौके और 6 छक्के शामिल रहे, जो उनकी आक्रामकता और नियंत्रण दोनों को दशार्ते हैं। डेवाल्ड ब्रेविस ने 11 गेंदों में 21 रन बनाकर कुछ आक्रामक शॉट खेले, लेकिन वह भी ज्यादा देर टिक नहीं सके। संजू ने पारी की आखिरी गेंद पर अपना शतक पूरा किया और टीम को 207 रनों के स्कोर तक पहुंचाया।

चेन्नई के 208 रनों के जवाब में मुंबई की शुरूआत बेहद खराब रही। उन्होंने पहले ओवर में ही दानिश मालेवर को खो दिया। मालेवर बिना खाता खोले पवेलियन लौट गए। इसके बाद अगले ओवर में क्विंटन डि कॉक भी 7 रन बनाकर आउट हो गए। तो वहीं नमन धीर भी अपना खाता नहीं खोल सके और 3 गेंदों पर जीरो रन बनाकर आउट हो गए। इस तरह मुंबई ने एक समय पर 11 रनों के स्कोर पर 3 विकेट गंवा दिए थे।

वैभव ने अपने भोजपुरी अंदाज से प्रशंसकों का दिल जीता

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स के बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी आईपीएल में अपनी बल्लेबाजी से छाये हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने अपने ठेठ अंदाज से क्रिकेट प्रेमियों के दिलों में जगह बनायी है। बिहार के समस्तीपुर जिले के वैभव ने अब तक इस सत्र में कई अच्छी पारियों खेली हैं। लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ हालांकि वह असफल रहे और 8 रन ही बना पाए पर जिस प्रकार से वह मैच के बाद भोजपुरी में बात करते दिखे उससे प्रशंसका उत्साहित हो गये। मैच के बाद वैभव ने एक भोजपुरी प्रजेंटर के साथ बात की, जहां उन्होंने आने वाले मैचों के लिए अपनी रणनीति और आत्मविश्वास को भोजपुरी अंदाज में बताया । जब उनसे अगले मैचों की योजना के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, प्लान येही बा कि अच्छा करेके बा अगला मैच में, जीत के दू पॉइंट ली और आगे बढ़ी प्लेऑफ की तरफ। वैभव के इस सहज भोजपुरी संवाद का वीडियों सोशल मीडिया पर छा गयाा और प्रशंसका उनकी इस सादगी के कायल हो गए।

सीनियर टीम से विश्वकप खेलना है वैभव सूर्यवंशी का सपना

मुम्बई, 23 अप्रैल (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में राजस्थान रॉयल्स की ओर से शानदार प्रदर्शन कर रहे 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का लक्ष्य सीनियर टीम से विश्कप खेलना है। वैभव ने पिछले माह अपना 15वां जन्मदिन मनाया और इसी के साथ वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए योग्य हो गए हैं। उन्हें आईपीएल के बाद जून में आयरलैंड के खिलाफ आईपीएल के बाद खेली जाने वाली सीरीज में चयनकर्ता अवसर दे सकते हैं। वैभव का कहना है कि उन्हें आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी पसंद है। उनका कहना है कि वह हावी होकर खेलना चाहते हैं जिससे कि जब तक वो मैदान पर रहें विरोधी टीम पर दबाव बना रहे। उनका लक्ष्य प्रभावशाली प्रदर्शन कर मैच जीतना है। इसलिए जब तक वह क्रीज पर रहेंगे, तब तक वह दबदबा बनाए रखेंगे और उन्हें भरोसा है कि इस प्रकार से मैच विपक्षी टीम से छीन लेंगे। उन्होंने कहा कि अभी मुझे सीनियर टीम से विश्वप कप खेलना है। हर खिलाड़ी का सपना होता है कि वह सीनियरों के लिए खेले और देश के जीत दिलाए। मेरा भी यही लक्ष्य है।

अब तक वैभव ने आईपीएल 2026 में छह पारियों में 246 रन बनाए हैं. जिसमें दो अर्धशतक और 78 रन की सर्वश्रेष्ठ पारी शामिल है। उनका औसत 41 है और स्ट्राइक रेट 236.54 है। कुल मिलाकर आईपीएल में उन्होंने 13 मैचों में 498 रन बनाए हैं, औसत 38.30 और स्ट्राइक रेट 220.35 है। इसमें एक शतक और तीन अर्धशतक के साथ 101 रन की व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ पारी भी शामिल है!

अभिषेक शर्मा में हैं खास प्रतिभा : चेतेश्वर पुजारा

मुंबई, 23 अप्रैल (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने आईपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद की ओर से खेल रहे बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा की है। पुजारा का मानना है कि अभिषेक में एक अलग तरह की प्रतिभा है जो उन्हें खास बनाती है। साथ ही कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने अब तक के मैचों में बल्लेबाजी की है। उससे ये साबित होता है। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ भी अभिषेक ने जिस प्रकार से बल्लेबाजी की उससे सभी हैरान हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक अपने खेल से टीम को जीत दिलाते हैं। पुजारा ने अभिषेक के दूसरे आईपीएल शतक और इस सत्र के उनके पहले शतक की जमकर तारीफ की। पुजारा ने कहा कि यह बल्लेबाज किस आसानी और सहजता से बड़े स्कोर खड़ा करता है। उन्होंने कहा, अभिषेक ने शानदार पारी खेली और अपना दूसरा आईपीएल शतक और इस सत्र का पहला शतक बनाया। वह शतक बनाना आसान बना देते हैं। पुजारा ने कहा कि अभिषेक का योगदान टीम के बेहद महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने कहा कि उनके प्रदर्शन अक्सर टीम के लिए जीत की राह बनाते हैं, क्योंकि वह बल्लेबाजी क्रम में सबसे ऊपर रहकर खेल पर गहरा प्रभाव डालते हैं। पुजारा ने अभिषेक की स्वाभाविक क्षमता और लगातार बेहतरीन प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि जब वह किसी मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अपनी पूरी लय में होते हैं, तो उनकी क्लास साफ दिखाई देती है। उन्होंने कहा, जब वह इस तरह का प्रदर्शन करते हैं, तो उनकी क्लास हर किसी को साफ दिखाई देती है। बहुत कम बल्लेबाजों में अभिषेक जैसी प्रतिभा और क्लास होती है।

पुडुचेरी क्रिकेट संघ ने कोच पर हमले के आरोपी तीन क्रिकेटरों को निलंबित किया

पुडुचेरी, 23 अप्रैल (एजेंसी)। पुडुचेरी क्रिकेट संघ (सीएपी) ने कोच पर हमले के तीन आरोपी क्रिकेटरों को निलंबित कर दिया है। ये तीनों ही रणजी ट्रॉफी खेलते थे। इन तीन फर्स्ट-क्लास क्रिकेटरों जे. कार्तिकेयन, ए. अरविंदराज और एस. संतोष कुमारन को तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया है। इन खिलाड़ियों पर पिछले साल 8 दिसंबर को राज्य की अंडर-19 टीम के कोच एस. वेंकटारमन पर जानलेवा हमला करने का आरोप है।

निलंबित किए गए खिलाड़ियों ने हाल के वर्षों में रणजी ट्रॉफी, विजय हजारे ट्रॉफी और सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में राज्य की ओर से खेला था। अरविंदराज ने पिछले घरेलू सीजन में भी पुडुचेरी की ओर से काफी अच्छा प्रदर्शन भी किया था पर अब निलंबित किये जाने के बाद उनका करियर समाप्त नजर आ रहा है।

वोल्वाड्ट के शतक से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को हराया

3-0 से सीरीज में बढ़त हासिल की

जोहानसबर्ग, 23 अप्रैल (एजेंसी)। कप्तान लौरा वोल्वाड्ट के शानदार शतक 115 रनों की सहायता से दक्षिण अफ्रीकी महिला क्रिकेट टीम ने भारतीय टीम को पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 9 विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही दक्षिण अफ्रीका की टीम 3-0 से सीरीज में आगे हो गयी है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने कप्तान हरमनप्रीत कौर और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के अर्धशतकों से निर्धारित 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 192 रन बनाये। मेजबान गेंदबाज नॉकुललुको मलाबा ने 2 विकेट जबकि दिन डी क्लार्क ने एक विकेट लिया। इसके बाद जीत के लिए मिले 193 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम ने 16.3 ओवर में ही 1 विकेट खोकर इसे हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका के कप्तान लौरा वोल्वाड्ट ने 14 चौके और 5 छक्के लगाकर 115 रन बनाये। इसके अलावा सुने लुस ने भी 64 रनों की पारी खेली। वही जात ब्रिट्स ने 2 बनाये। वहीं भारतीय टीम की ओर से एकमात्र विकेट श्रेयंका पाटिल ने लिया। वहीं इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम की ओर हरमनप्रीत ने 38 गेंद में 66 रन जबकि शेफाली वर्मा ने 46 गेंद में 64 रन बनाये। इसके अलावा स्मृति मंधाना ने 25 गेंद में 37 रन जबकि ऋचा घोष ने 18 रन बनाये। , जबकि जेमिमा रोड्रिगेज पहली गेंद पर गोल्डन डक हो गईं. गेंदबाजी की बात करें तो साउथ अफ्रीका की तरफ से नॉकुललुको मलाबा ने सबसे ज्यादा 2 विकेट अपने नाम किए. इसके अलावा नादिन डी क्लार्क के खाते में भी एक विकेट आया. इस तरह साउथ अफ्रीका की टीम भारत को 200 रन के भीतर समेटने में सफल रही।

चीन के हनान प्रांत में एशियन बीच गेम्स में एक्वाएथलॉन इवेंट में भाग लेते हुए एथलीट।

पूरन का विकेट लेते ही जडेजा ने अनोखे अंदाज में मनाया जश्न

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसी)। रविंद्र जडेजा के ऑलराउंड प्रदर्शन से राजस्थान रॉयल्स ने यहां हुए मुकाबले में लखनऊ सुपरजायंट्स को 40 रनों से हरा दिया। इस मैच में जडेजा ने 29 गेंदों पर 43 रन बनाने के बाद गेंदबाी के दौरान निकोलस पूरन का महत्वपूर्ण विकेट लेकर अपनी टीम की जीत तय कर दी। पूरन को आउट करने के बाद जडेजा का जश्न मनाने का अंदाज सोशल मीडिया पर छाया हुआ है। पूरन लखनऊ के सबसे अच्छे बल्लेबाज में से एक हैं। ऐसे में उनके आउट होते ही सुपरजायंट्स की बल्लेबाजी ढ़ह गयी। पूरन को आउट करने के बाद जडेजा ने जेब में हाथ डालकर ये दिखाने का प्रयास किस कि मैच में अब उनको ही जीत मिलेगी। इसका कारण है कि पूरन क्रीज पर जमने लगे थे पर उनके आउट होते ही राजस्थान की जीत पक्की हो गई। पूरन 25 गेंद में 22 रन बनाकर पेवेलियन लौटे।

इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान रॉयल्स का शीर्ष क्रम असफल रहा। इसी कारण टीम 20 ओवर के खेल में 159 रन ही बना पाई। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए लखनऊ की टीम 120 रन ही बना पायी। सिर्फ 160 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ की शुरूआत अच्छी नहीं रही। आयुष बडोनी, कप्तान ऋषभ पंत और एडेन मार्करम शून्य पर ही पेवेलियन लौट गये।

आर्चर रॉयल्य की ओर से सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने

चहल का रिकार्ड तोड़ा

लखनऊ , 23 अप्रैल (एजेंसी)। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर आईपीएल में सबसे अधिक विकेट लेने वाले राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाज बन गये हैं। आर्चर ने इसी के साथ ही युजवेंद्र चहल को पीछे छोड़ा। चहल अभी तक रॉयल्स के सबसे अधिक 66 विकेट लिए थे पर अब ऑचर के नाम 68 विकेट हो गये हैं।

आर्चर ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ यहां के इकाना इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में दूसरा विकेट विकेट लेते ही ये उपलब्धि अपने नाम की है।

आईपीएल में कुल मिलाकर आर्चर के नाम 70 विकेट हैं। उन्होंने कुछ मैच मुंबई इंडियंस के लिए भी खेले हैं। इससे पहले उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के लिए मैच खेले थे। रॉयल्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाद सिद्धार्थ त्रिवेदी काफी कम चर्चित हैं। साल 2008 से साल 2013 के बीच उन्होंने खेला था।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने राजस्थान रॉयल्स के लिए 61 विकेट निकाले हैं। वे इस टीम के लिए सबसे ज्यादा आईपीएल विकेट लेने वाले चौथे गेंदबाज हैं। वहीं दिवंगत शेन वार्न ने रॉयल्स की ओर से 57 विकेट लिए हैं और वह पांचवे नंबर पर हैं।

बदले-बदले नजर आये गोयनका, हार के बाद ऋषभ को गले लगाया

लखनऊ, 23 अप्रैल (एजेंसी)। लखनऊ सुपरजायंट्स के मालिक संजीव गोयनका इस बार काफी बदले-बदले नजर आ रहे हैं। गोयनका हार के बाद भी जिस प्रकार से टीम का समर्थन करते दिख रहे हैं उससे सभी हैरान हैं। लखनऊ सुपरजायंट्स के लिए ये सत्र अब तक अच्छा नहीं रहा है और उसे सात में से केवल दो जीत मिली हैं। इससे वह अंक तालिका में नौवें स्थान पर है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हुए मुकाबले में भी लखनऊ की टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए 40 रनों से हार गयी। टीम की बल्लेबाजी बेहद खराब रही, पर इसके बाद भी सुपरजायंट्स के मालिक गोयनका निराश नहीं दिखे। उन्होंने अपनी टीम के कप्तान ऋषभ पंत का हौसला बढ़ाया और उनसे उनकी चोट का हाल पूछा, जिसके बाद उन्हें गले से भी लगाया। यह घटना तब हुई जब मैच समाप्त हो गया था। इस दौरान फील्डिंग करते हुए एक थ्रो सीधा ऋषभ की नाक पर लगा गया था।

अफगानिस्तान के खिलाफ मिल सकता है अकिब सहित कई युवा खिलाड़ियों को अवसर

मुम्बई, 23 अप्रैल (एजेंसी)। घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर रहे जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी,हर्ष दुबे, गुरनूर बराड़ सहित युवा खिलाड़ियों को जून में अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच में अवसर मिल सकता है। इसका कारण है कि चयनकर्ता भारतीय टीम के आगे के व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को देखते हुए। इस मैच के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। ऐस में घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करने वाले कई युवा खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिल सकती है।

रिपोर्टों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर के तेज गेंदबाज अकिब नबी, जिन्होंने रणजी ट्रॉफी में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है, विदर्भ के बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे, राजस्थान के बाएं हाथ के स्पिनर मानव सूथार और पंजाब के तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को इस टेस्ट टीम में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा, देवदत्त पडिक्कल और नितीश कुमार रेड्डी को भी इस एकमात्र टेस्ट के लिए मौका मिलने की संभावना है। रेड्डी की तेज गेंदबाजी में हाल में आये सुधार को चयनकताओं इस मैच में आजमाना चाहेंगे। यह एकमात्र टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के दायरे में नहीं आता है, जिसके कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन अपने मुख्य खिलाड़ियों को आराम देना चाहते हैं। आगामी सत्र भारतीय टीम के लिए काफी चुनौतीपूर्ण है, जिसमें डब्ल्यूटीसी 2025-27 के दूसरे हाफ और वनडे वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियां शामिल हैं। ऐसे में, जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल, केएल राहुल और रवींद्र जडेजा जैसे दिग्गजों को आराम दिए जाने की प्रबल संभावना है ताकि वे आगे के महत्वपूर्ण मैचों के लिए फिट रह सकें।

टेस्ट और वनडे सीरीज के बीच बेहद कम समय होने के कारण खिलाड़ियों को बार-बार फॉर्मेट बदलना पड़ेगा, जो उनकी फिटनेस के लिए चुनौती बन सकता है। कप्तान और कोच पहले भी इस तरह के व्यस्त शेड्यूल पर अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं, और ऐसे में खिलाड़ियों के आराम का फैसला उन्हीं की सलाह पर आधारित हो सकता है।भारत और अफगानिस्तान के बीच एकमात्र टेस्ट मैच 6 जून से महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम, मुल्लांपुर में खेला जाएगा। इस टेस्ट के बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज होगी।

पाकिस्तान के क्रिकेटर नवाज ड्रग जांच में पॉजिटिव पाये गये, प्रतिबंध लगना तय

लाहौर, 23 अप्रैल (एजेंसी)। पाकिस्तान के क्रिकेटर मोहम्मद नवाज को ड्रग्स की जांच में पॉजिटिव पाया गया है। नवाज का इसी साल टी20 विश्व कप के दौरान लिया गया रूटीन जांच का नमूना पॉजिटिव आया है। इसके बाद से ही पाकिस्तान क्रिकेट एक बार फिर विवादों में आ गया है। नवाज को जिस ड्रग के लिए पॉजिटिव पाया गया है उसको नाम रिक्रिएशनल ड्रग है। इस मामले से पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की भी मुश्किलें बढ़ गयी हैं1

एक रिपोर्ट के अनुसार पीसीबी ने इस मामले में आंतरिक जांच भी शुरू कर दी है। नवाज ने श्रीलंका में हुए टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से 15 रन बनाने के साथ ही सात विकेट भी लिए थे।

वहीं पीसीबी के एक प्रवक्ता ने कहा है कि आईसीसी से उन्हें जानकारी मिली है कि नवाज को ड्रग सेवन के लिए पॉजिटिव पाया गया है। इसके बाद से ही बोर्ड ने अपनी नियमानुसार जांच प्रक्रिया शुरू कर दी है और इसकी रिपोर्ट आईसीसी को दी जाएगी। इस मामले के सामने आने से पाक क्रिकेट को एक बड़ा झटका लगा है।

नवाज ने पाक की ओर से 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। वह स्पिनर होने के साथ ही बल्लेबाज भी हैं। ड्रग जांच में नाम आने के बाद से ही नवाज को काउंटी क्रिकेट से भी बाहर कर दिया गया है। नवाज को इस गर्मी में टी20 ब्लास्ट की ओर से इंग्लैंड के प्रसिद्ध क्लब ह्यसरे काउंटी क्रिकेट क्लबह्न के साथ जुड़ना था और इसके लिए उन्हें पीसीबी से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी मिल गया था पर अब सरे के साथ उनका करार टूट गया है।

नवाज हो हालांकि अभी तक पाक सुपरलीग (पीएसएल) से बाहर नहीं किया गया है। पीएसएल में वह मुल्तान सुल्तांस की ओर से खेल रहे हैं। पीसीबी की जांच में अगर उनपर ड्रग्स के आरोप सही पाये गये तो उनपर दो साल का प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

अब धनुष बनेंगे डायरेक्टर,

मृणाल ठाकुर

को देंगे लीड रोल? ताजा अपडेट ने मचाई हलचल

जाने-माने एक्टर धनुष और मृणाल ठाकुर अक्सर ही तमाम तरह की अफवाहों को लेकर चर्चा में रहते हैं. आए दिनों दोनों की डेटिंग की अफवाह उड़ती रहती है. हाल ही में मृणाल ठाकुर और धनुष की शादी की खबरें भी सामने आईं, जो काफी सुर्खियों में रहीं. शादी और डेटिंग की खबरों के बाद अब मृणाल ठाकुर और धनुष की फिल्म को लेकर खबर सामने आई है. रिपोर्ट्स की मानें तो धनुष डायरेक्शन की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं. कहा जा रहा है कि इस फिल्म में धनुष लीड रोल के लिए मृणाल ठाकुर को कास्ट कर सकते हैं.धनुष और मृणाल वैसे तो एक दूसरे के साथ स्पॉट किए जाते हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि दोनों ने साथ में स्क्रीन स्पेस शेयर किया हो. हालांकि, अब ऐसा पहली बार होने जा रहा है. खबरों के मुताबिक, मृणाल ठाकुर एक ऐसी फिल्म में नजर आने वाली हैं जो एक फीमेल लीड वाली मूवी होगी. डेटिंग की चल रही अफवाहों के बीच मृणाल ठाकुर और धनुष साथ स्क्रीन शेयर करने की उम्मीद है.

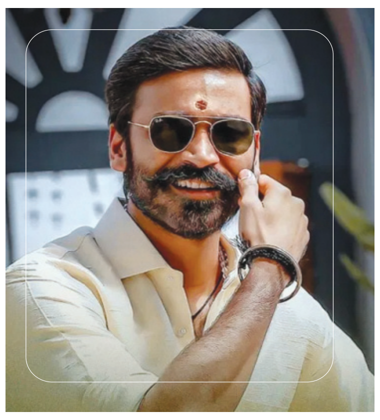

धनुष और मृणाल की फिल्म

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, धनुष डायरेक्टर बनने जा रहे हैं और एक फिल्म का डायरेक्शन करने की तैयारी में हैं. बताया जा रहा है कि वो अपनी फिल्म में लीड रोल के लिए मृणाल ठाकुर से बातचीत कर रहे हैं. अगर बात बनती है, तो ऐसा पहली बार होगा जब दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखेंगे. रिपोर्ट्स की मानें तो ये फिल्म अभी शुरुआती दौर में है और इसे एक महिला-केंद्रित कहानी के साथ बनाया जा रहा है. आपको बता दें कि धनुष की पिछली फिल्म 'इडली कड़ाई' बॉक्स ऑफिस पर उम्मीदों पर खरी नहीं उतर पाई थी.

क्या होगी फिल्म की कहानी ?

रिपोर्ट्स की मानें तो धनुष इस फिल्म को डायरेक्ट कर सकते हैं. ये फिल्म 1960 या 1970 के दशक पर आधारित एक 'पीरियड ड्रामा' होगी. जल्द ही एक ऑफिशियल अनाउंसमेंट होने की उम्मीद है. हालांकि फिल्म निर्माताओं की ओर से अब तक कोई कंफर्मेशन नहीं की गई है. इस फिल्म की कहानी एक गांव की देवी के इर्द-गिर्द घूम सकती है. कहा जा रहा है कि फिल्म के लिए लुक टेस्ट जैसे शुरुआती काम पहले ही पूरे किए जा चुके हैं.

बिना इजाजत नहीं कर सकेंगे अल्लू अर्जुन की तस्वीर-वीडियो और आवाज का इस्तेमाल, दिल्ली हाई कोर्ट का आदेश

सुपरस्टार अल्लू अर्जुन ने हाल ही में अपने व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा के लिए दिल्ली हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था. उन्होंने बिना इजाजत नाम, फोटो, आवाज और वीडियो के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगाने की मांग की थी. उन्होंने अनाधिकृत मर्चेंडाइज में अपने व्यक्तित्व से जुड़ी सामग्री के इस्तेमाल के खिलाफ मुकदमा किया था. अब दिल्ली हाई कोर्ट में इस मामले में सुनवाई हुई और अल्लू अर्जुन के हक में फैसला आया है. कोर्ट ने उनकी अनुमित के बिना उनके नाम, तस्वीरों, आवाज और वीडियो के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगा दी है.दिल्ली हाई कोर्ट ने अल्लू अर्जुन के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा के आदेश दिए. कोर्ट ने व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा करते हुए एक पक्षीय अंतरिम आदेश दिया है. कोर्ट ने द्ध के दुरुपयोग और आपत्तिजनक कंटेंट, साथ ही अल्लू अर्जुन के डीपफेक और कॉपीराइट उल्लंघन वाले उत्पादों की बिक्री के अनधिकृत व्यावसायिक इस्तेमाल पर भी रोक लगाई है. जस्टिस तुषार राव गेडेला की बेंच ने कहा कि अभिनेता का नाम, छवि, आवाज, संवाद शैली, हावभाव और अन्य विशिष्ट विशेषताएं केवल उन्हीं से पहचानी जा सकती हैं और ये संरक्षित व्यक्तित्व अधिकारों का गठन करती हैं. जस्टिस गेडेला ने अंतरिम राहत की अर्जी पर नोटिस जारी किया, साथ ही मुकदमे के संबंध में समन जारी किया है.

अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म

बहरहाल, प्रोफेशनल लाइफ की बात करें तो अल्लू अर्जुन पिछली बार दिसंबर 2024 में रिलीज हुई फिल्म 'पुष्पा 2' में दिखे थे. उसके बाद से उनके तमाम फैंस को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है. अल्लू अर्जुन अभी डायरेक्टर एटली के साथ एक बड़ी फिल्म पर काम कर रहे हैं, जिसका नाम है 'राका'. ये एक साई-फाई एक्शन फिल्म है, जिसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण नजर आने वली हैं. अभी मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज डेट का तो ऐलान नहीं किया है, लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि साल 2027 में ये फिल्म सिनेमाघरों में दस्तक देगी.

अल्लू अर्जुन की 'राका'

'राका' एक बड़े बजट की फिल्म है. रिपोर्ट्स के अनुसार इस फिल्म को बनाने में तकरीबन 800 करोड़ रुपये खर्च हो रहे हैं. ये भारतीय सिनेमा की अब तक की तीसरी सबसे महंगी फिल्म है. बजट के लिहाज से भारत की सबसे बड़ी फिल्म रणबीर कपूर की 'रामायण' है, जिसका पहला पार्ट इसी साल दिवाली पर और दूसरा पार्ट साल 2027 में दिवाली पर रिलीज होगा.

आशा भोसले से अस्पताल में नहीं मिल पाई मुमताज, बाहर से देखा, 10 मिनट बाद चल बसीं सिंगर

दिग्गज सिंगर आशा भोसले 12 अप्रैल को 91 साल की उम्र में इस दुनिया को छोड़ गईं. उनके जाने से संगीत जगत सूना हो गया. निधन के बाद कई सितारों ने एक सुर में कहा कि आशा भोसले की कमी कोई पूरी नहीं कर सकेगा. अब दिग्गज अदाकारा मुमताज़ ने आशा भोसले के बारे में बात की है. मुमताज़ और आशा भोसले की अच्छी दोस्ती थी. उन्होंने एक इंटरव्यू में आशा भोसले से अपनी आखिरी मुलाकात की कोशिश के बारे में बताया है.एक इंटरव्यू में मुमताज ने बताया कि जिस वक्त उन्होंने अस्पताल में आशा भोसले को बाहर से देखा, उसके 10 मिनट बाद ही उनका निधन हो गया था. मुमताज़ ने बताया, जब मुझे पता चला कि वो एडमिट हैं तो मैं अस्पताल गई थी. मैंने उन्हें बाहर से देखा था, लेकिन डॉक्टर ने कहा कि आशा जी की हालत गंभीर है और मुझसे कल आने के लिए कहा. जैसे ही मैं बाहर निकली और अपनी कार में बैठी, 5-10 मिनट के अंदर ही मेरे पास एक कॉल आई और मुझे बताया गया कि वो गुज़र गईं.

वो बहुत अच्छी दोस्त थीं...

आशा भोसले से अपनी बॉन्डिंग पर मुमताज़ ने बताया, वो मेरे घर कभी कभी आती थीं. वो बहुत अच्छी दोस्त थीं. उनकी जगह कोई नहीं ले सकता है. आप किसी से तुलना ही नहीं कर सकते हैं.

इस दौरान मुमताज़ ने बताया कि निधन से कुछ दिनों पहले भी उनकी आशा भोसले से बात हुई थी. वो कहती हैं, निधन से कुछ वक्त पहले आशा जी ने मुझसे कहा था कि मेरा गाना आजा ओ मेरे राजा, जन्नत की सैर, उनके गाए सबसे मुश्किल गानों में से थे.

आशा और लता में तुलना पर क्या बोलीं ?

आशा और लता के बारे में बात करते हुए मुमताज ने कहा, उन दोनों के बीच कोई तुलना ही नहीं हो सकती है. जो आशा जी गा सकती थीं, वो लता जी नहीं गा सकती थीं, और जो लता जी गा सकती थीं, वो आशा जी नहीं गा सकती थीं. आशा जी चंचल गाने गाया करती थीं, जबकि लता जी शास्त्रीय संगीत में माहिर थीं, आप उनकी तुलना कर ही नहीं सकते हैं.

स्टेज पर धोखा? कॉन्सर्ट में लिप-सिंक करती दिखीं 'धुरंधर' सिंगर

जैस्मीन सैंडलस

भड़के लोग

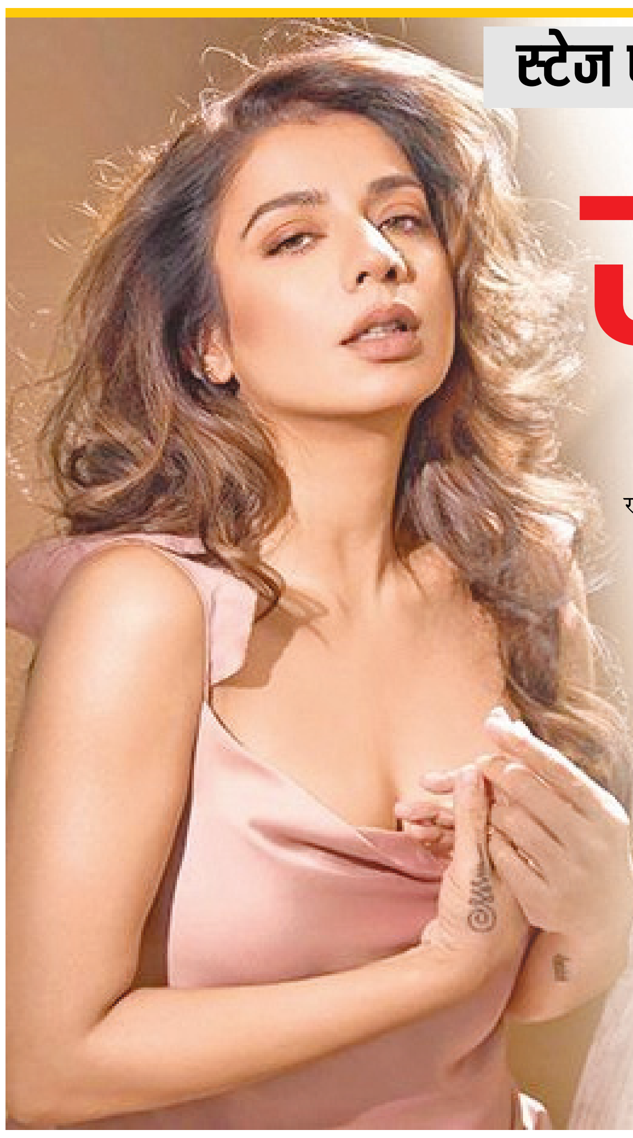

रणवीर सिंह की फिल्म 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' में कई गानों को अपनी दमदार आवाजा से हिट बनाने वाली सिंगर जैस्मीन सैंडलस इस फिर से चर्चा में आ गई हैं. फिल्म में उन्होंने जो भी गाने गाए सभी को पसंद किया गया था. उनकी आवाज एक तरह के धुरंधर की पहचान बन गई थी. पर अब वो विवादों में हैं. हाल ही में जैस्मीन को अहमदाबाद में एक कॉन्सर्ट में परफॉर्म करते हुए देखा गया था. अब उसी कॉन्सर्ट से उनका एक वीडियो खूब वायरल हो रहा है और लोग उनकी हरकत को लेकर उनकी आलोचना करते दिखाई दे रहे हैं.वायरल वीडियो क्लिप में जैस्मीन सैंडलस स्टेज पर धुरंधर के गाने शरारत को परफॉर्म कर रही थीं. पर इसी दौरान दर्शकों को पता चला कि दरअसल वो गाना गा नहीं रहीं बल्कि लिप-सिंक कर रही हैं. जैस्मीन को स्टेज पर लिप-सिंक करता देख लोग भड़क उठे और अब सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल कर रहे हैं. परफॉर्मेंस के दौरान जैस्मीन कई बार अपने माइक को दूर करती नज़र आ रही हैं, फिर भी गाना चल रहा है.

लोगों को नहीं भाया ये अंदाज़

इसके अलावा जैस्मीन सैंडलस स्टेज पर खुद के ऊपर बोतल से पानी डालती भी नज़र आईं. लोगों को जैस्मीन का ये पानी डालने वाला अंदाज़ भी पसंद नहीं आया है. बीच फरफॉर्मेंस में उन्होंने बोतले से सिर पर पानी डाला. इसको लेकर भी उन्हें आलोचना का सामना करना पड़ रहा है. जैस्मीन सैंडलस ने 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' में टोटल 7 गाने गाए हैं. इसमें फिल्म का टाइटल ट्रैक के अलावा शरारत, मैं और तू, वारी जावां, ओए ओए, आरी आरी और जाइए सजना शामिल है.

भड़क उठे लोग

जैस्मिन के लिप-सिंक वाले वीडियो पर लोग भड़क उठे. एक यूज़र ने कहा, लाइव शो में भी लाइव नहीं गाते ये लोग. एक ने कहा, इसको गाने बुलाया था या एक्टिंग करने. एक यूजर ने लिखा, दो गाने हिट क्या हुए, इनकी ओवर एक्टिंग और ज्यादा हो गई. कुछ यूजर ने सवाल उठाया कि लिप-सिंक की क्या जरूरत थी? वहीं पानी डालने पर भी लोगों ने उन्हें ट्रोल किया.